सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी श्वलेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में शामिल -पेज: 7

नेशनल अवार्ड मिलने पर बेहद स्मानित महसूस कर रही हू : सान्या मल्होत्रा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 119 | गुरुवार 07 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

84% युवा चपेट में ! ये बिमारी बन रहा है साइलेंट किलर, स्वास्थ्य मंत्री ने संसद में जताई गहरी चिंता

भारत की तरुणाई पर सेहत का खतरा मंडराने लगा है। युवाओं की बड़ी आबादी आज ऐसी बीमारी की गिरफ्त में आ रही है जो चुपचाप शरीर को भीतर से खोखला कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हाल ही में संसद में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने...

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत की युवा पीढ़ी पर सेहत का खतरा मंडराने लगा है। युवाओं की बड़ी आबादी आज ऐसी बीमारी की गिरफ्त में आ रही है जो चुपचाप शरीर को भीतर से खोखला कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हाल ही में संसद में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में आईटी सेक्टर में काम कर रहे 84% से ज्यादा युवा फैटी लिवर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। यह चिंता सिर्फ हैदराबाद की नहीं बल्कि पूरे देश की चेतावनी है। संसद में क्या बोले स्वास्थ्य मंत्री? स्वास्थ्य मंत्री ने ICMR (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह बताया कि देश के युवा तेजी से फैटी लिवर की चपेट में आ रहे हैं। खासतौर से 25 से 45 साल की उम्र के आईटी प्रोफेशनल्स इस बीमारी का सबसे बड़ा शिकार बनते जा रहे हैं। इसकी वजह है खराब लाइफस्टाइल, लंबे समय तक डेस्क पर बैठकर काम करना, फिजिकल एक्टिविटी का ना होना और अनहेल्दी खानपान। क्या है फैटी लिवर? फैटी लिवर एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर में चर्बी (फैट) जमा होने लगती है। सामान्य लिवर में थोड़ा बहुत फैट होना स्वाभाविक है लेकिन जब यह मात्रा 5-10% से अधिक हो जाती है तो यह खतरनाक हो सकता है। ये स्थिति आगे चलकर लिवर सिरोसिस, हार्ट अटैक, किडनी फेलियर, गॉलब्लैडर स्टोन और ब्रेन स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियों में बदल सकती है। फैटी लिवर का सबसे पहला लक्षण क्या होता है? इस बीमारी की सबसे खतरनाक बात ये है कि शुरूआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं या नजर ही नहीं आते। लेकिन अगर ध्यान दिया जाए तो कुछ संकेत साफ नजर आने लगते हैं। सबसे पहला लक्षण होता है - पेट और कमर के आसपास चर्बी का जमना। अगर पेट लगातार बाहर निकल रहा है, कमर का साइज बढ़ रहा है, गर्दन मोटी हो रही है या गर्दन पर काले धब्बे बन रहे हैं तो यह सिर्फ मोटापा नहीं बल्कि फैटी लिवर की दस्तक हो सकती है। फैटी लिवर के अन्य प्रमुख लक्षण लगातार भूख में कमी पीलिया जैसे लक्षण (आंखें और त्वचा पीली होना) गहरा पीला या भूरा पेशाब आना पेट या पैरों में सूजन खाने के बाद जी मिचलाना या उल्टी जैसा महसूस होना फैटी लिवर क्यों है इतना खतरनाक? बहुत से लोग फैटी लिवर को मामूली समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि फैटी लिवर सिर्फ एक बीमारी नहीं बल्कि कई गंभीर बीमारियों की जड़ बन सकता है। जब लिवर में फैट बढ़ता है तो यह धीरे-धीरे शरीर के अन्य अंगों तक भी फैलने लगता है। खून में फैट मिलते ही कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है जिससे दिल की नसों में चर्बी जमा होने लगती है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। अगर यही फैट दिमाग तक पहुंच जाए तो ब्रेन स्ट्रोक की स्थिति बन सकती है। वहीं गॉलब्लैडर में फैट जमा होने पर पथरी यानी स्टोन बनने की संभावना बढ़ जाती है और किडनी में फैट जमने से उसका सामान्य कार्य भी प्रभावित होने लगता है। कहने का मतलब यह है कि फैटी लिवर एक साइलेंट किलर की तरह पूरे शरीर की सेहत को अंदर से हिला सकता है।

सीएम स्टालिन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, तमिलनाडु में अपने नाम से चला सकेंगे योजना; जानिए पूरा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी): तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को रद करते हुए सीएम के पक्ष में फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि स्टालिन अगर चाहें तो वो राज्य में अपने नाम से योजनाएं चला सकते हैं। यह मामला तमिलनाडु सरकार की नई योजना उंगलुदन स्टालिन (आपका स्टालिन) से जुड़ा है। मद्रास हाईकोर्ट ने सीएम को योजना में अपना नाम शामिल करने पर रोक लगाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद कर दिया है। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। तीन जजों की बेंच सीजेआई गवई, जस्टिस विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने मामले पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कई राज्यों में ऐसी योजनाएं आम हैं। मद्रास हाईकोर्ट ने सुनाया था फैसला दरअसल अन्नाद्रमुक के सांसद सीवी षणमुगम ने इस योजना के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने योजना में सीएम के नाम पर आपत्ति जताई थी। इस पर फैसला सुनाते हुए मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था

पाकिस्तान की हर हिंसक कार्रवाई पर भारतीय सेना को 24 घंटे-365 दिन तैयार रहना होगा, सीडीएस जनरल अनिल चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी): चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार, 5 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर स्पष्ट और तीखे शब्दों में अपना रुख रखा। दिल्ली में आयोजित वार्षिक ट्राइडेंट व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सेना को पाकिस्तान की ओर से होने वाली किसी भी हिंसक कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। जनरल चौहान ने पाकिस्तान के तथाकथित फुल स्पेक्ट्रम डिटरेंस थ्योरी (पूर्ण-आयामी प्रतिरोध सिद्धांत) को चुनौती देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि भारतीय सेना इस सिद्धांत के अंतर्गत आने वाले किसी भी प्रकार के खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की धरती पर कोई भी आतंकवादी सुरक्षित नहीं है, चाहे वह देश के किसी भी हिस्से में छिपा हो। उन्होंने यह दोहराया कि भारतीय सशस्त्र बलों को स्थिर और गतिशील दोनों प्रकार के दूरवर्ती लक्ष्यों को भेदने की क्षमता विकसित करनी होगी। हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहना होगा सीडीएस जनरल चौहान ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि युद्ध और शांति के बीच की रेखा अब धुंधली होती जा रही है, और इस बदलते परिदृश्य में सशस्त्र बलों को 365 दिन, चौबीसों घंटे पूरी तैयारी के साथ तैनात रहना होगा। उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान की तरफ से होने वाली किसी भी तरह की हिंसक कार्रवाई का जवाब देने के लिए हर समय तैयार रहना होगा झ चाहे वह हमला देश के भीतर से हो या सीमा पार से। यही नया सैन्य मानदंड है, जिसे हमें समझना और अपनाना होगा। पारंपरिक युद्धक्षेत्र में अधिक स्थान बनाने की आवश्यकता जनरल चौहान ने भारत की रक्षा रणनीति में परमाणु और अपरंपरागत क्षेत्रों के बीच संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक अभियानों के लिए अधिक स्थान बनाना समय की मांग है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में परमाणु नीति पर निर्भरता बढ़ेगी, और यही पारंपरिक सैन्य रणनीति की आधारशिला बनेगी। सीडीएस ने यह भी कहा कि भारत को अपने विरोधियों की तुलना में तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और उन्नत होना होगा।

190 लोगों को बचाया गया, धामी बोले- केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कर रही काम

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि धराली इलाके में बादल फटने से आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद लगभग 190 लोगों को बचा लिया गया है। एएनआई से बात करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने दोहराया कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही घटना के पीड़ितों के लिए व्यवस्था करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा ने पूरे धराली को प्रभावित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा ने पूरे धराली को पूरी तरह प्रभावित किया है और कल की घटना के बाद कई चरणों में मलबा वहाँ आया है। मैं आज वहाँ गया और लोगों से मिला, उनसे बात की और घटना की जानकारी ली। आपदा ने सब कुछ तबाह कर दिया। इसके साथ ही, शाम तक सेना के जवानों ने धराली से लगभग 190 लोगों को बचा लिया है। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। अभी घायलों को भी वहाँ से निकालकर उत्तरकाशी लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने आगे कहा कि कई इलाकों को जोड़ने वाली सड़कें भी भूस्खलन से प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन इलाके में सुविधाओं को बहाल करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, कई जगहों पर भूस्खलन से पूरी संपर्क सड़क पूरी तरह प्रभावित हुई है... हमें इलाके में बिजली और मोबाइल नेटवर्क भी बहाल करना है। खराब मौसम के कारण, सुविधाओं को पूरी तरह से बहाल करना हमारे लिए एक चुनौती है। आज सुबह मैंने दो बार वहाँ जाने का प्रयास किया और तीसरी बार, मैं आखिरकार पीड़ितों से मिलने गया। सरकार सभी व्यवस्थाएँ करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने भी हमें हर संभव मदद का आश्वासन दिया है और उनके मार्गदर्शन में हम आपदा पीड़ितों की समुचित मदद करेंगे... आज सुबह मुख्यमंत्री धामी ग्राउंड जीरो पहुँचे और धराली में बादल फटने और भूस्खलन की घटना स्थल पर स्थानीय लोगों से मिले, जिससे घरों और अन्य इमारतों को काफी नुकसान पहुँचा है।

उत्तरकाशी त्रासदी में इस राज्य के 28 टूरिस्ट भी लापता, 10 दिनों का यूके टूर किया था बुक

कोच्चि (एजेंसी): उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद हुए बड़े भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई। इसमें केरल के 28 लोग भी लापता हो गए हैं। परिवार के सदस्यों ने बुधवार (06 अगस्त, 2025) को इस बात की जानकारी दी। इस ग्रुप में शामिल एक कपल के रिश्तेदार ने मीडिया को बताया कि 28 लोगों में 20 लोग केरल के हैं और महाराष्ट्र में रहते हैं, जबकि बाकी 8 केरल की अलग-अलग जगहों पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस कपल के बेटे ने उनसे आखिरी बार त्रासदी से एक दिन पहले बात की थी। सुबह उत्तरकाशी से गंगोत्री के लिए निकले थे रिश्तेदार ने बताया, उन लोगों ने बताया था कि वे उस दिन सुबह साढ़े आठ बजे के करीब उत्तरकाशी से गंगोत्री के लिए निकले थे। भूस्खलन उसी रास्ते पर हुआ। उनके जाने के बाद से हम उनसे संपर्क नहीं कर पाए। उन्होंने आगे बताया कि हरिद्वार की एक ट्रैवल एजेंसी ने 10 दिनों के लिए उत्तराखंड टूर की व्यवस्था की थी। इस एजेंसी को भी इन लोगों के बारे में कुछ नहीं पता है। 4 लोगों की मौत की पुष्टि इस कपल के रिश्तेदार का कहना है, हो सकता है कि उन लोगों के फोन की बैटरी खत्म हो गई हो। उस इलाके में फिलहाल कोई मोबाइल नेटवर्क नहीं है। धराली में मंगलवार (05 अगस्त, 2025) को बादल फटने के बाद आई आपदा में कम से कम चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि धराली का लगभग आधा हिस्सा कीचड़, मलबे और पानी के विशाल भूस्खलन में दब गया है। यह गंगोत्री जाने वाले रास्ते का प्रमुख पड़ाव है और यहां पर कई मकान, होटल और होमस्टे हैं।

नागपुर में बोले मोहन भागवत: कितने बलिदान हुए, मुंडों के ढेर लगे लेकिन धर्म नहीं छोड़ा

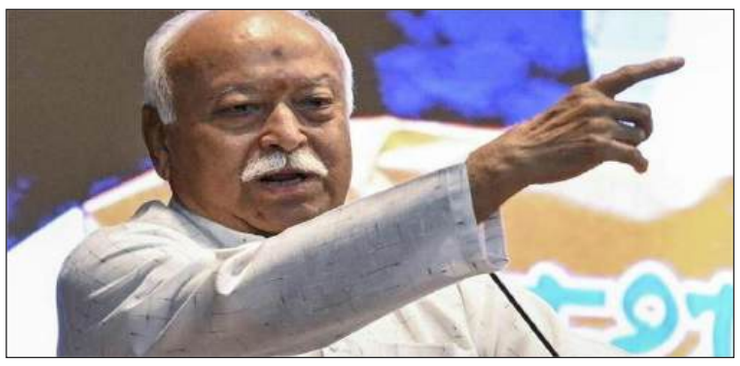

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को नागपुर में धर्म जागरण न्यास के प्रांतीय कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में धर्म को लेकर अपने गहरे और व्यापक विचार साझा किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म केवल भगवान की उपासना तक सीमित नहीं, बल्कि समाज को धारण करने वाली शक्ति है। उनका संबोधन धर्म के वास्तविक स्वरूप, उसके सामाजिक संदर्भ और वैश्विक उपयोगिता को लेकर केंद्रित रहा। धर्म समाज के लिए होता है भागवत ने कहा, धर्म कार्य केवल भगवान के लिए नहीं होता, धर्म का कार्य समाज के लिए होता है। धर्म ठीक रहेगा तो समाज ठीक रहेगा, समाज में शांति रहेगी, कलह नहीं होंगे, विषमता नहीं रहेगी। सही धर्म का अर्थ समझकर यदि समाज चले, तो भला ही होगा। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि भारत का इतिहास धर्म के लिए दिए गए बलिदानों से भरा पड़ा है। मुंडों के ढेर लग गए, यज्ञोपवित मनों से तौले गए, लेकिन धर्म नहीं छोड़ा गया, उन्होंने कहा। अपने संबोधन में उन्होंने धर्म को वैज्ञानिक सत्य से तुलना करते हुए कहा, भारत के लोग जिसे धर्म कहते हैं, वह कैसा है? वह सत्य है। जैसे गुरुत्वाकर्षण है झ आप उसे मानो या न मानो, वह अपना कार्य करेगा। धर्म भी ऐसा ही है। भागवत ने कहा कि धर्म का पालन व्यक्ति को सही मार्ग पर बनाए रखता है, भले ही जीवन में ऐसे प्रसंग आएं, जब सही मार्ग ज्ञात होने पर भी मनुष्य उससे भटक जाए। धर्म यानी कर्तव्य झ मातृत्व से राजधर्म तक उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म का अर्थ केवल पूजा नहीं, बल्कि कर्तव्य है। उन्होंने कहा, मातृत्व धर्म, पितृ धर्म, मित्र धर्म, पुत्र धर्म, प्रजा धर्म, राजधर्म झ ये सभी धर्म के अंग हैं। जो इन्हें निभाता है, वही सच्चा धार्मिक है। भागवत ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में भी यह बात दोहराई कि हमारे समाज में सामान्य लोगों तक ने धर्म के लिए बलिदान दिए हैं। उन्होंने छावा फिल्म का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें दिखाए गए आदर्श हमारे समाज के ही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में विविधता के बावजूद सभी लोग एक हैं। यह एकता का ही आविष्कार है, जो बिना किसी विशेष गुण के, अपने आप को सजाकर प्रस्तुत करती है। हम अलग-अलग दिखते हैं, लेकिन होते नहीं हैं। यह धर्म अपनापन सिखाता है और विविधताओं को पूर्ण रूप से स्वीकार करता है, उन्होंने कहा। एकता के लिए एक जैसा होना जरूरी नहीं भागवत ने वैश्विक एकता के दृष्टिकोण पर टिप्पणी करते हुए कहा, दुनिया में कुछ विचार हैं, जो कहते हैं कि अगर सबको एक होना है, तो एक जैसा बनना पड़ेगा। हम कहते हैं, ऐसा नहीं है। एकता के लिए एक जैसा होना आवश्यक नहीं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि हर व्यक्ति को उसका रास्ता उसकी स्थिति के अनुसार मिलता है

समाज विरोधी तत्व कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश...पुलिस की तत्परता ऐसे तत्व बेनकाब : सीएम योगी

रूस की तरफ से एक ट्रंप की जमीन हिलाने वाला कदम उठा दिया गया है। रूस की तरफ से ऐसी मिसाइल जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ था, उसे हटाया गया। ये सीधे सीधे यूरोप की धड़कने बढ़ा रहा है। ये डोनाल्ड ट्रंप से सीधे सीधे युद्ध की चेतावनी की ओर इशारा कर रहा है।

बरेली (एजेंसी): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बरेली को विकास की बड़ी सौगात दी। हजियापुर में 129 करोड़ की लागत से बने बरेली मंडल के पहले यूनानी मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण कर जहां इलाज और पढ़ाई की राह आसान की, वहीं बरेली कॉलेज के मैदान से 22.64 हजार करोड़ रुपये की 545 परियोजनाएं जनता को समर्पित कीं। नाथ कॉरिडोर बरेली की पहचान बन रही है बरेली में 2017 से पहले बरेली में आए दिन बड़े दंगे होते थे। बरेली एक दंगाग्रस्त जनपद बन गया था। लेकिन आज नाथ कॉरिडोर बरेली की पहचान बन रही है। बाबा अलखनाथ, बाबा त्रिवटी नाथ, बाबा वनखंडी नाथ, बाबा धोपेश्वर नाथ, बाबा तपेश्वर नाथ, बाबा मढ़ीनाथ, बाबा पशुपति नाथ मंदिर के लिए नाथ कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। पूर्व की सरकारें बांटने का काम करती थीं सीएम ने कहा कि पूर्व की सरकारें बांटने का काम करती थीं। वोट बैंक की राजनीति के माध्यम से तुष्टिकरण पराकाष्ठा को पूर्ण करती थीं, सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को सम्मान दिया जाता था। मगर भाजपा की सरकार तुष्टिकरण नहीं बल्कि विकास के जरिए जनता की संतुष्टिकरण का माध्यम बन रही है। विरासत को विकास कार्यों के साथ जोड़ रही है। न्यू बरेली के रूप में बरेली विकास प्राधिकरण और नगर निगम में तमाम परियोजनाओं को पूरा करके दिखाया है। जिसके परिणाम दिख रहे हैं। कांवड़ यात्रा के बदनाम करने की कोशिश की अब कोई बरेली को कोई दंगा ग्रस्त नहीं कह सकता। सीएम ने कहा कि कांवड़ यात्रा के बदनाम करने की कोशिश की गई।सीएम ने कहा जो आयोजन समग्र समाज की एकता के माध्यम बनेंगे, समाज विरोधी तत्व उनको बदनाम करने की कोशिश करेंगे और षणयंत्र रचेंगे, छद्म वेष में ऐसे लोगों को भेजेंगे जो सारे माहौल को खराब करते हैं। लेकिन समाज की जागरूकता और पुलिस की तत्परता के कारण ऐसे तत्व बेनकाब होते हैं। बरेली में कांवड़ यात्रा के दौरान जलाभिषेक कर अपनी सेवा को महादेव को अर्पित किया। पिछली सरकारें दंगों के साथ लोगों के सामने पहचान का संकट खड़ा करती थीं। मगर डबल इंजन की भाजपा सरकार भयमुक्त वातावरण देकर विरासत और विकास को जोड़कर लोगों का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बरेली में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई बरेली में प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इन कार्यों को लेकर जनप्रतिनिधियों से चर्चा भी हुई। शासन के अधिकारी इनके क्रियान्वयन को लेकर काम कर रहे हैं। बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं के विकास को एक नई उड़ान मिलने वाली है। जब अच्छे जन प्रतिनिधि मिले हैं वो विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे। सबका साथ सबका विकास प्रधानमंत्री का संतुष्टिकरण का मंत्र है। जिसमें हर वर्ग को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। लेकिन अगर कोई मानता है कि उनके लिए पिछली सरकारों की तर्ज पर पिक एंड चूज के जरिए योजनाएं बनेंगी तो अब नहीं हो सकता क्योंकि ये नया भारत है, जो योजनाओं में भेदभाव नहीं करता है।

संपादकीय

गिल-गंभीर युग का आगाज

भारतीय क्रिकेट अब रोहित और विराट के युग से आगे निकल कर गिल और गंभीर के युग में प्रवेश कर गई है। भारतीय युवा टीम ने इस कारनामे को शानदार ढंग से अंजाम दिया है। उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर टेस्ट सीरीज के ओवल में खेले आखिरी टेस्ट को जिस तरह से जीता है, उससे अहसास हो गया है कि टीम की कमान सही हाथों में है। सीरीज की शुरूआत से पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली और अश्विन के संन्यास लेने पर कहा जा रहा था कि युवा टीम की यह मुश्किल परीक्षा है। पर इस यंग ब्रिगेड न सिर्फ इस परीक्षा को उम्दा अंदाज में पास किया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि आने वाले दिनों में वह क्या करने वाले हैं। असल में चौथे टेस्ट को जिस तरह हार के कगार से बचा कर टेस्ट ड्रा कराया और फिर ओवल टेस्ट को जीतने से टीम का डीएनए क्या है, यह पता चलता है। इस यंग टीम की सबसे बड़ी खूबी यह दिख रही है कि वह मुश्किल से मुश्किल हालात में भी समर्पण करने में विश्वास नहीं रखती। टीम की यह सोच टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है। बहुत संभव है कि कप्तान शुभमन गिल से कुछ मौकों पर फैसलों में चूक हुई हो पर उन्होंने जिस तरह से भारतीय गेंदबाजों को अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित किया और टीम को महत्त्वपूर्ण मौकों पर एकजुट रखा, उससे लगता है कि वह विराट और रोहित की तरह टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा सकते हैं। गिल इसलिए भी तारीफ के काबिल हैं कि उनकी सेना देशों में इससे पहले प्रदर्शन कोई बहुत अच्छा नहीं था और कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने पर उनका प्रदर्शन बिखर भी सकता था। पर उन्होंने अपने प्रदर्शन से हैरत में ही नहीं डाला बल्कि यह भी दिखाया कि कप्तानी का उनके ऊपर कोई दवाब नहीं है। इस सीरीज ने टेस्ट क्रिकेट को पांच दिनों का ही रखने की सोच को बल दिया है। असल में पिछले कुछ सालों में कई टेस्ट तीन-चार दिन में खत्म हो जाने पर टेस्ट मैचों को चार दिन का करने की चर्चा चलने लगी थी। पर इस सीरीज ने दिखाया कि दोनों टीमों में लड़ने का माद्दा हो और उन्हें अच्छे विकेट मुहैया कराए जाएं तो पांच दिनों तक टेस्ट में रोमांच बना रह सकता है। इस सीरीज के जिन चार टेस्ट मैचों में परिणाम निकला है, वे सभी चार दिन का टेस्ट होने पर ड्रा हो जाते। साथ ही, भारत और इंग्लैंड, दोनों ने ही बेहतरीन क्रिकेट खेल कर दिखाया कि टेस्ट क्रिकेट का कोई सानी नहीं है।

चिंतन-मनन

'थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे। माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे। इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मन जब मोबाइल की गिरफ्त में तब ध्यान, धैर्य और मानसिक शांति कहाँ?

तमन्ना रिज़वी

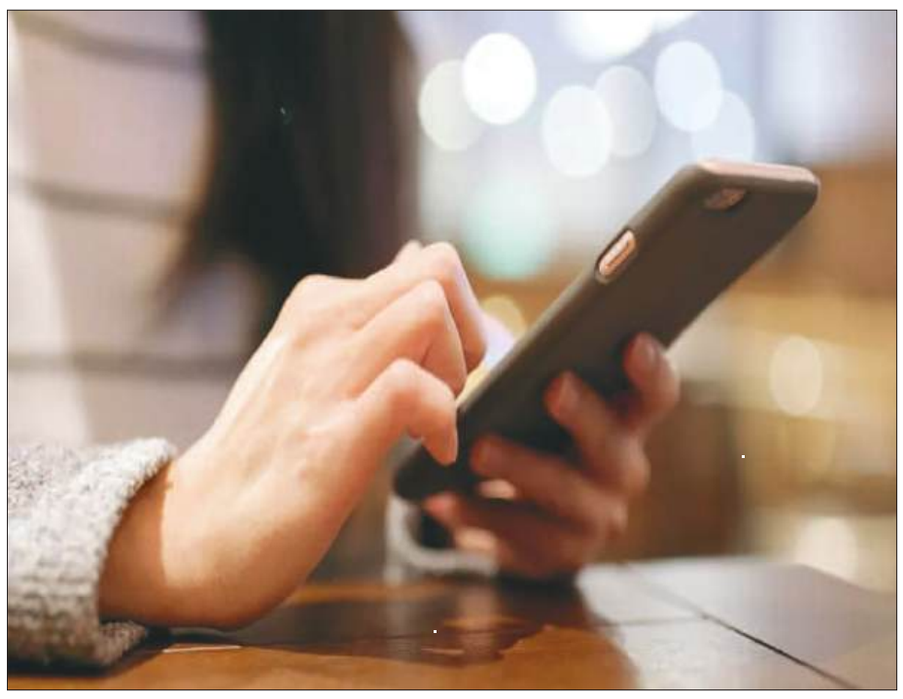

तकनीक को साधन बनाएँ साध्य नहीं...

हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहाँ तकनीक प्रत्येक पल और हर कदम पर हमारे साथ है। स्मार्टफोन, जो कभी सुविधा का प्रतीक हुआ करता था, आज हमारी दिनचर्या का केंद्र बन चुका है। यह उपकरण जो कभी केवल कॉल, मैसेज और अलार्म तक सीमित था, अब हमारे संवाद, मनोरंजन, सूचनाओं और यहां तक कि भावनाओं तक का माध्यम बन गया है। पर क्या कभी हमने यह सोचने की जहमत उठाई है कि जिस फोन को हम अपनी सबसे बड़ी ताकत समझते हैं, वह कहीं हमारी मानसिक शांति और एकाग्रता को खत्म करने का माध्यम तो नहीं बन गया?

आज अधिकांश लोग सुबह की शुरूआत मोबाइल के अलार्म से नहीं, बल्कि इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप या मेल चेक करने से करते है। दिन भर काम के बीच में भी हर कुछ मिनट पर फोन की स्क्रीन अनायास देखी जाती है–कोई नया नोटिफिकेशन आया क्या? कोई नई पोस्ट, नया वीडियो, या कोई अपडेट तो नहीं? यह सब इतना सामान्य हो चुका है कि हमें अब इसमें असामान्यता का कोई संकेत नहीं दिखता। लेकिन यहीं से शुरू होता है असली नुकसान–धीरे-धीरे और गहराई से।

एक तरफ मोबाइल ने हमें दुनिया से जोड़ दिया, वहीं इसने हमारी खुद से दूरी बढ़ा दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि मोबाइल पर अत्यधिक निर्भरता न केवल मानसिक एकाग्रता को प्रभावित करती है, बल्कि यह हमारी सोचने-समझने की क्षमता, हमारी रचनात्मकता और रिश्तों की गहराई को भी प्रभावित करती है। डोपामिन, जो हमारे मस्तिष्क को खुशी का अनुभव कराता है, वह हर एक ह्यलाइकह्न, ह्यकमेंटह्न, और ह्यनोटिफिकेशनह्न से उत्तेजित होता है। यह तात्कालिक आनंद तो देता है, पर दीर्घकालीन दृष्टि से यह हमें थका देता है, बेचैन करता है और चिड़चिड़ापन पैदा करता है।

हमारे जीवन से वह शांति और स्थिरता धीरे-धीरे खोती जा रही है जो कभी एकांत में बैठने, किताबें पढ़ने या प्रकृति से जुड़ने से मिलती थी। आजकल हम बस में सफर करते समय, कैफे में बैठे हुए या परिवार के बीच में होते हुए भी अपने फोन की स्क्रीन में डूबे रहते हैं। अब खाली वक्त को सहने की आदत नहीं रही। हर विराम, हर शून्यता को तुरंत भरने के लिए स्क्रीन मौजूद रहती है।

और सबसे खतरनाक बात यह है कि यह लत अब बच्चों में भी साफ देखी जा सकती है। 5 साल का बच्चा भी खाना तभी खाता है जब उसके सामने मोबाइल चल रहा हो। किशोर अब अपने मन की बात दोस्तों से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट्स से जाहिर करते हैं। रिश्ते धीरे-धीरे भावनाओं से नहीं, रील्स और रिएक्शन से जुड़ने लगे हैं।

इस परिस्थिति से निकलने का पहला कदम है *डिजिटल अवेयरनेस*–यानि यह समझना कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग कब नुकसानदायक बन रहा है। उसके बाद आता है *डिजिटल डिटॉक्स*–कुछ घंटे, कुछ दिन या कुछ समय के लिए फोन से दूरी बनाना। शुरूआत आसान नहीं होगी, लेकिन धीरे-धीरे जब हम देखेंगे कि हमारे भीतर फिर से ध्यान टिकने लगा है, रिश्ते गहराने लगे हैं और मन हल्का महसूस करता है–तब हम समझेंगे कि असली सुख कहां छिपा था।

हमें मोबाइल को साधन की तरह उपयोग करना होगा, साध्य की तरह नहीं। तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए है, उसे जीने का आधार नहीं बनाना चाहिए। कोई भी टेक्नोलॉजी तब तक वरदान है, जब तक वह हमारी स्वतंत्रता में बाधा न बने।

अब समय है कि हम स्क्रीन से नजर हटाकर अपने भीतर झाँकें। आत्म-निरीक्षण करें कि क्या वाकई हम समय को जी रहे हैं, या बस सोशल मीडिया की रफ्तार में बह रहे हैं। शायद वही खोई हुई मानसिक शांति, वही पुरानी स्थिरता और वो गहराई हमें फिर से महसूस हो–बस हमें थोड़ा ठहरना होगा।

क्रिकेट : वर्षों याद रहेंगे गिल के जांबाज

मनोज चतुर्वेदी

इंग्लैंड का यह समर बेहतरीन टेस्ट क्रिकेट और एक उम्दा टेस्ट कप्तान के तौर पर उभरने के लिए याद किया जाएगा।

एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज के आखिरी दो टेस्ट बाकी रहने पर भारतीय टीम 1-2 से पीछे थी, और चौथे मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड के पहली पारी में 311 की बढ़त बनाने पर किसने सोचा था कि भारतीय यंग ब्रिगेड सीरीज ड्रा कराकर लौटेगी। पर शुभमन गिल और गौतम गंभीर की इस टीम ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा ही नहीं कराया, बल्कि ओवल टेस्ट तमाम विपरीत हालात में भी जीत कर सीरीज बराबर करा कर सभी को हतप्रभ कर दिया। इस सीरीज में गिल एक ऐसे कप्तान के तौर पर उभरे हैं, जिनसे आने वाले समय में बहुत उम्मीदें लगाई जानी हैं।

इस यंग ब्रिगेड ने दिग्गजों की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी ही नहीं, गेंदबाजी में भी ऐसे कारनामे किए हैं, जिनकी चर्चा आने वाले तमाम सालों तक चलनी हैं। कप्तान गिल ने अपने आलोचकों को धता बताते हुए सीरीज में सबसे ज्यादा 754 रन बनाए जिनमें एक दोहरा और तीन शतक शामिल रहे। भारत ने एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के 12-12 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करके दिखाया है कि आने वाले दिन उनके ही रहने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 1955 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ और पाकिस्तान ने 1982-83 में भारत के ही खिलाफ ये शतक जमाए थे।

इस पूरी सीरीज में 21 शतक लगे और टेस्ट क्रिकेट में नई जान डालने वाली साबित हुई है यह सीरीज।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल करीब डेढ़ माह पहले इस नई जिम्मेदारी के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए थे, तब दिग्गज खिलाड़ियों की अनुपस्थिति की ज्यादा चर्चाएं चल रही थीं। गिल की यह यंग साइड कैसा खेलेगी का किसी को भी अंदाजा नहीं था पर इस यंग ब्रिगेड ने जिस अंदाज में बेहतरीन प्रदर्शन करके सीरीज को बराबर कराया और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड के जबड़े से जीत को निकाल कर उन्हें हराया, उससे यंग टीम का डीएनए तो पता चलता है। यह सही है कि भारत यदि आखिरी टेस्ट हार कर सीरीज हार जाता तो इस युवा टीम के साथ कोच गौतम गंभीर को भी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता।

लेकिन मोहम्मद सिराज के दिलेरी भरे प्रदर्शन ने इस टीम को हीरो बना दिया है। भारतीय गेंदबाजों ने चौथे दिन हाथ से निकलते टेस्ट के आखिरी समय में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से भारत की वापसी करा कर जो माहौल बनाया था, उसकी वजह से ही इंग्लैंड के चार विकेट रहते सिर्फ 35 रन जीत से दूर रहने पर भी भारतीय खेमे में जीत की उम्मीदें बन गई थीं। पर आखिरी दिन का खेल शुरू होने पर प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने बाकी ओवर की चार गेंदों पर दो चौके खाए तो लगा कि मैच हाथ से निकलने वाला है।

इस हताशा को सिराज ने अगले ओवर में स्मिथ को विकेट के पीछे कैच करा कर एक बार फिर उम्मीदों में बदल दिया। इसके बाद जिस अंपायर के बारे में माना जा रहा था कि उसके फैसले भारत के खिलाफ जा रहे हैं, उसके फैसले ने ही भारतीय उम्मीदों को नई ऊंचाइयां दीं। ओवर्टन सिर्फ अंपायर कॉल की वजह से ही एलबीडब्ल्यू हुए क्योंकि सिराज की गेंद विकेट को बस छूती हुई ही जा रही थी। हम सभी जानते हैं कि चौथे दिन हैरी ब्रूक के सिराज का कैच पकड़ कर सीमा रेखा के पार चले जाने से ही मैच भारत के हाथ से निकलता दिखा था। पर इस खिलाड़ी ने जब एटकिंसन को बोल्ड करके भारत को छह रनों से जीत दिलाई, उसके साथ ही वह भारतीय जीत का हीरो बन गया।

मोहम्मद सिराज चौथे दिन हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने की वजह से सो नहीं सके थे। इस कारण ने उन्होंने अगले दिन अल सुबह अपने मोबाइल के बॉल पेपर पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो वाली बिलीव लिखी फोटो लगाई। साथ ही मन में ठान लिया कि देश के लिए टीम को हर हाल में जिताना है। उन्होंने इसी भावना वाला प्रदर्शन करके असंभव नजर आ रही जीत दिला कर दिखा दिया कि वह जो भी ठानते हैं, उसे कर दिखाने का उनमें माद्दा भी है। सिराज ने इस सीरीज में 23 विकेट निकाल कर इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने के बुमराह के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने 2021-22 की सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया था।

शुभमन गिल की यह कप्तान के रूप में पहली सीरीज थी और उन्होंने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि आने वाला समय उनका ही है। वह इस सीरीज में तीन शतक और एक दोहरे शतक से सर्वाधिक 724 रन बनाने वाले बल्लबेज बने।

इस सीरीज के दौरान उनके कुछ फैसलों की आलोचना हुई तो कुछ फैसले सराहे भी गए लेकिन इस दौरान उन्होंने जिस तरह से टीम का नेतृत्व किया और टीम में हार नहीं मानने का जज्बा बनाया उससे तो साफ है कि यह टीम रोहित और विराट के युग से बाहर निकलने में कामयाब हो गई है, और भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का माद्दा रखती है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भारत के टेस्ट जीतने पर कहा, ..हम कुछ मैच जीतेंगे, कुछ मैच हारेंगे पर आत्मसमर्पण कभी नहीं करेंगे। शाबाश लड़को।.. गौतम गंभीर के बयान से यह आसानी से समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों में भारतीय टीम का रवैया क्या रहने वाला है।

पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।

देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही 'रणनीतिक स्वायत्तता' है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। 'माई फ्रेंड डोनाल्ड' जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है– जैसे BRICS+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग।

इसके अलावा, 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी– जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद ह्यमोदी है तो मुमकिन हैह्न सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा।

जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' भी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाजी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है।

वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की 'नव-उपनिवेशवादी' नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है।

बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

आई एम इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य डॉ जमशेद कमाल ने शिक्षा के क्षेत्र में किए उल्लेखनीय कार्य

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान, आई एम इंटर कॉलेज, में प्रधानाचार्य डॉ जमशेद कमाल शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उनकी दूरदर्शिता और समर्पण ने कॉलेज को न केवल शैक्षिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाया है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है। जमशेद कमाल के नेतृत्व में कॉलेज ने शिक्षा, अनुशासन, और नैतिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नए आयाम दिए हैं। जिसका प्रभाव न केवल अमरोहा शहर बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी देखा जा सकता है। डॉ जमशेद कमाल ने कॉलेज में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए कई नवाचारी कदम उठाए हैं। उन्होंने आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया है, जिसमें डिजिटल शिक्षण तकनीकों का उपयोग शामिल है। कॉलेज में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं। जहां विद्यार्थियों को ऑडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए जटिल विषयों को समझने में आसानी होती है। इसके अलावा, विज्ञान, गणित, और प्रौद्योगिकी जैसे विषयों में प्रायोगिक शिक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रयोगशालाओं को उन्नत उपकरणों से सुसज्जित किया गया है, ताकि विद्यार्थी सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त कर सकें।डॉ जमशेद कमाल का मानना है कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसलिए, उन्होंने सह-शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। कॉलेज में खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और सामाजिक जागरूकता अभियानों को प्रोत्साहन दिया जाता है। हाल ही में आयोजित

डॉ॰ जमशेद कमाल

एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी सराहना पूरे शहर में हुई। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसे विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधानाचार्य के नेतृत्व में कॉलेज ने शैक्षिक परिणामों में भी उल्लेखनीय सुधार देखा है। जमशेद कमाल ने कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं और परामर्श सत्र शुरू किए हैं, ताकि प्रत्येक छात्र अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके। शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नवीनतम शिक्षण तकनीकों से परिचित रहें। डॉ जमशेद कमाल ने सामाजिक समावेश पर भी विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं शुरू की हैं और कॉलेज में सभी समुदायों के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए नीतियां लागू की हैं। उनकी यह पहल न केवल शिक्षा को सुलभ बना रही है, बल्कि सामाजिक एकता को भी बढ़ावा दे रही है। स्थानीय समुदाय ने डॉ जमशेद कमाल के इन प्रयासों की सराहना की है। अभिभावकों का कहना है कि उनके नेतृत्व में कॉलेज का माहौल सकारात्मक और प्रेरणादायक हो गया है। अमरोहा के एक प्रमुख शिक्षाविद् ने कहा, "डॉ जमशेद कमाल ने शिक्षा को एक नया दृष्टिकोण दिया है। उनके प्रयासों से न केवल विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में उपचारात्मक शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है ऐसे छात्र जो महत्वपूर्ण विषयों में कमजोर हैं। उनके लिए अलग से उपचारात्मक शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है। डॉ जमशेद कमाल का योगदान आई एम इंटर कॉलेज को एक आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण रहा है। उनके नवाचारी दृष्टिकोण और समर्पण से प्रेरित होकर, कॉलेज भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के लिए तैयार है। हालांकि कॉलेज में सभी व्यवस्थाएं कॉलेज प्रबंधक वसीम हैदर नकवी के सार्थक प्रयासों से कराई जा रही है। आज प्रबंधक वसीम हैदर नकवी के कड़े प्रयासों से कॉलेज अमरोहा जिले में ऊंचाइयां छू रहा है।

तोरिया फसल का बीज मिनीकिट निःशुल्क प्राप्त करने के लिए करे ऑनलाइन आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विभाग के अन्तर्गत संचालित राज्य सहायतित निःशुल्क तिलहन बीज मिनीकिट वितरण, प्रदर्शन एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत तोरिया (लाही) फसल का दो किलोग्राम मात्रा का बीज मिनीकिट निःशुल्क प्राप्त करने हेतु कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों के द्वारा ऑनलाईन आवेदन दिनांक-01.08.2025 से 15.08.2025 तक किया जायेगा, जो पूरी तरह से पारदर्शी हैं ऑनलाईन आवेदन करने वाले कृषकों को बीज मिनीकिट आवेदन अवधि में प्राप्त आवेदकों के मध्य लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की दशा में ऑनलाईन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। एक कृषक को केवल एक मिनीकिट प्राप्त हो सकेगा। चयनित कृषकों को POS मशीन के माध्यम से राजकीय कृषि बीज भण्डारों से बीज मिनीकिट वितरित कराया जायेगा। अतः इच्छुक कृषक निःशुल्क बीज मिनीकिट प्राप्त करने हेतु विभाग के पोर्टल agridarshan.up.gov.in पर अपना ऑनलाईन आवेदन करें।

जे एस हिन्दू इण्टर कॉलेज में राखी प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- शहर जे एस हिन्दू इण्टर कॉलेज में राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत देश और राष्ट्रीयता की सुरक्षा में लगे लाखों सैनिकों को अपने परिवार और समाज से दूर रहकर देश की सरहदों की रक्षा सर्दी, गर्मी और बरसात की परवाह किये बिना निरंतर अपने पुनीत कार्य में लगे हैं, ऐसे वीर भाइयों की कलाइयां इस रक्षाबंधन पर सुनी ना रह जाए, इसलिए भारत मां की बेटियों ने अपने सैनिक भाइयों को स्नेह, प्यार, अपनत्व, सम्मान और सुरक्षा की प्रतीक राखियां, आपकी सेवा में प्रेषित कर रही हैं। इसी उपलक्ष्य में शासन की मंशा के

अनुरूप जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार के निर्देशन में आज जे एस हिन्दु इंटर कॉलेज अमरोहा की छात्राओं द्वारा राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देश प्रेम से ओत-प्रोत होकर तिरंगा राखियो को छात्राओं द्वारा स्वयं निर्मित कर और एकत्र करके अपने सैनिक भाइयों के सम्मान में प्रशासन के माध्यम से प्रेषित की गई। प्रतियोगिता में देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत सुंदर और सजावटी राखियां बनाने में विद्यालय की छात्राओं खुशी ,गुंजन, सिम्मी, कशिश , साधना, अक्षरा, प्रिया, दिया रितिका ,सपना, काजल , गौरी, गुंजन, राधिका, अंशिका और जैकी आदि छात्राओं ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में छात्रा गुंजन प्रथम स्थान पर, गौरी, दिया और रितिक द्वितीय तथा कशिश एवं साधना ने तृतीया स्थान प्राप्त किया। लगभग 150 से अधिक राखियों को छात्राओं ने अपने सैनिक भाइयों को भेजीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 जी पी सिंह, अनिल कुमार, शैलेश कुमार पन्कज, मधुलिका गुप्ता, डॉ वी के शुक्ला, डॉ नरेश कुमार, रजा इमाम, सविता बिश्नोई, सावित्री देवी, डॉ0 रीता ढिल्लों, सारिका बहेती, योगिता चौधरी, प्रीति सैनी, शिवांगी सिरोही, नैंसी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला कारीगरों को दिया जाएगा 15 दिवसीय प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत जनपद अमरोहा में माटीकला एवं माटी शिल्पकला को बढावा देने हेतु माटीकला समन्वित विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 15 दिवसीय निःशुल्क आवासीय शिल्पकारी प्रशिक्षण, मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड नजीबाबाद, जनपद बिजनौर से प्रदान कराया जाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को माटीकला से सम्बन्धित दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाना, सजाबटी वस्तुएं बनाना, खिलौने एवं मूर्तियां बनाना, मिट्टी के उत्पादो पर कटिंग-पच्चीकारी-चित्रकारी-नक्कासी आदि विधाओं का प्रशिक्षण एवं बैंको से ऋण प्राप्त कर इकाईयां स्थापित करने

हेतु योजनाओं की जानकारी प्रदान की जायेगी। उक्त 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक नवयुवक एवं युवतियां अपना आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदन पत्रों का चयन विभाग/शासन द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा तदोपरान्त चयनित आवेदकों को 15 दिन का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, प्रशिक्षण अवधि में केन्द्र / प्रशिक्षण स्थल पर भोजन आदि की निःशुल्क व्यवस्था की जायेगी साथ ही शिक्षण सत्र के समापन/अन्तिम दिवस पर धनराशि 250 रू० प्रतिदिन की दर से प्रशिक्षुवृत्ति की धनराशि 3750.00 रु० भी प्रशिक्षणार्थी के बैंक खाते में आर० टी० जी० एस०/ एन० ई० एफ० टी० के माध्यम से स्थानान्तरित कर दी जायेगी। इच्छुक आवेदक दिनांक 20.08.2025 तक किसी भी कार्य दिवस में अपना आवेदन पत्र फोटो, आधार कार्ड, योग्यता प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक की छाया प्रति तथा जाति प्रमाण पत्र के साथ जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड़, मौ० पुष्करनगर, नियर रेलवे स्टेशन, जनपद अमरोहा में जमा कर सकते हैं अथवा upmatikalaboard .in पर लॉगिन कर आवश्यक प्रपत्र अपलोड करते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदक उ०प्र० का मूल निवासी हो, उसकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो वह माटीकला की जानकारी रखता हो तथा उसका साक्षर होना अनिवार्य है। राशन कार्ड के आधार पर एक परिवार से एक सदस्य का ही चयन किया जायेगा, चयन में दिव्यांग, बी०पी०एल० परिवार के सदस्यों तथा महिलाओं को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान में प्रतिष्ठानों में रोजगार दिलवाने के लिए कैम्पस ड्राइव का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि दिनांक 06 अगस्त, 2025 से 13 अगस्त, 2025 तक दिव्यांगजन रोजगार अभियान" संचालित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत विगत वर्षों में कौशल विकास मिशन/ आई० टी०आई० प्रशिक्षित एवं अन्य योग्यताधारी दिव्यांगजन जो आज

तक बेरोजगार हैं को स्थानीय प्रतिष्ठानों में रोजगार दिलवाने हेतु कैम्पस ड्राइव का आयोजन कराया जा रहा है। दिनांक 11.08.2025 को प्रातः 10:30 बजे नारायणी स्वरूप दया निजी आई०टी०आई०, नारंगपुर, जोया, अमरोहा, दिनांक 12.08.2025 को प्रातः 10:30 बजे उ०प्र० कौशल विकास मिशन प्रशिक्षण केन्द्र, निकट फायर स्टेशन, गजरौला और दिनांक 13.08. 2025 को प्रातः 10:30 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गंगेश्वरी, ग्राम रहरई, जनपद- अमरोहा मैं आयोजित किए जाएंगे। समस्त दिव्यांगजन जो बेरोजगार एवं रोजगार पाने हेतु पात्र एवं इच्छुक हैं से अनुरोध है कि कृपया उक्त स्थान एवं दिनांक को अपने समस्त शैक्षणिक अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

भाकियू (संयुक्त मोर्चा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी को पुलिस ने किया हाऊस अरैस्ट

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को किसानो की मागो का ज्ञापन पत्र मुरादाबाद में सोपने का ऐलान किया था। लेकिन बीते मंगलवार की देर रात क्राइम इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह व कस्वा चौकी इंचार्ज अतवीर सिंह ने भारी पुलिस बल के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी को उनके निवास कार्यालय चौधरी चरण सिंह नगर में ही हाउस अरेस्ट कर लिया। इस दौरान नरेश चौधरी ने मीडिया को बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारीयो को उत्तर प्रदेश पुलिस ने पदाधिकारीयो के घर में नजर बंद करने का काम किया है। नरेश चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मुरादाबाद जाकर किसानों की समस्याओं का ज्ञापन शोपने को लेकर पुलिस के द्वारा इतनी सख्त कार्रवाई की गई कि किसानों को उनके घरों में ही नजर बंद कर दिया गया। नरेश चौधरी ने कहा कि भारत में यह बड़ी विडंबना है किसानों के द्वारा चुना गया मुख्यमंत्री किसानों से बात करने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री किसानों से बात करने से बचते हुए नजर आ रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार पूरी तरह किसान विरोधी है। नरेश चौधरी ने बताया कि संयुक्त मोर्चे का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता है कि क्या किसान इस प्रदेश या इस देश का नागरिक नहीं है। भाजपा सरकार ना तो किसाने की फसलों के वाजिद दाम दे रही है और ना ही गांव का विकास कर रही है। इससे लगता है कि भाजपा सरकार किसानों को पराया समझती है। नरेश चौधरी ने बताया कि 19 अगस्त को गजरौला भानपुर फाटक पर किसानो की मांगों को लेकर एक महापंचायत करके किसानो की आवाज को बुलंद किया जाएगा। किसानों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी के साथ उनके निवास कार्यालय पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजयवीर सिंह राष्ट्रीय मुख्य सचिव अरुण सिद्धू प्रदेश अध्यक्ष कामिल चौधरी भी नजर बंद किए गए। उधर संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष राहुल सिद्धू को उनके आवास कार्यालय नगलिया गांव पर रात 8:00 बजे गजरौला एस आई बृजेश कुमार ने पुलिस बल के साथ पहुंच कर नजर बंद किया गया है। इस दौरान अमित चीमा,जितेंद्र सिंह, तेजपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, अभिषेक भुल्लर, रवि उपाध्याय, समीर चौधरी, कमल चौधरी, पंचम सिंह, कामिल चौधरी, अरुण सिद्धू, विजयवीर सिंह, अभय चौधरी, चंद्रपाल सिंह, आदि किसान लोग मौजूद रहे।

रक्षाबंधन त्यौहार के दृष्टिगत खाद्य विभाग की छापेमारी

गजरौला,अमरोहा,हसनपुर सहित कई स्थानों से भरे नमूने

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- रक्षाबन्धन पर्व के दृष्टिगत सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने हेतु खाद्य विभाग ने जनपद भर में अभियान चलाते हुए पनीर, दूध, मिठाई व रसगुल्ले आदि के नमूने संग्रहीत किए। खाद्य विभाग की छापेमारी से खलबली मची रही। बता दें कि बुधवार को सहायक आयुक्त (खाद्य) जनपद अमरोहा विनय कुमार के नेतृत्व में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार,

राकेश कुमार, मनांज कुमार कलश्यान एवं विपिन कुमार ने नवादा रोड मौहल्ला सुल्तानगर पश्चिमी, में स्थित गुड्डू खान की पनीर निर्माण इकाई पर छापामारी कर दूध का एक नमूना, अरारोट का एक नमूना, छेना रसगुल्ला एक नमूना कल 03 नमूनें संग्रह किये। इसी मौहल्ले से ही टीटू सिंह की रसगुल्ला फैक्ट्री से मिश्रित दूध एवं मिल्क क्रीम के 02 नमूने संग्रहीत किये गये। नवादा रोड पर स्थित नासिर रसगुल्ला निर्माण केन्द्र पर छेना रसगुल्ला निर्माण इकाई से छेना रसगुल्ला एवं मिश्रित दूध के 02 नमूनें संग्रहीत किये गये। सभी नमूनें जांच हेतु विश्लेषण प्रयोगशाला प्रेषित कर दिये गये हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट में मानक के विपरीत पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध मुकदमें दर्ज किये जायेंगे। सभी खाद्य निमार्ताओं को साफ सफाई एवं मानकों का पालन करने के निर्देश दिये गये हैं। सहायक आयुक्त ने बताया कि यह अभियान रक्षाबंधन तक जारी रहेंगा।

जनपद को 2600 मीट्रिक टन प्राप्त हुआ यूरिया

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- ज़िले के जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने अवगत कराया कि जनपद में 2600 मीट्रिक टन यूरिया प्राप्त हुआ है, लगभग 3000 मीट्रिक टन यूरिया पहले से उपलब्ध है, उन्होंने किसान भाइयों से अनुरोध करते हुए कहा कि संतुलित मात्रा में ही उर्वरक का प्रयोग करें। जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि जोत के आकार और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरकों का विक्रय करें। उन्होंने बताया कि गन्ने में 150 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर और धान में 120 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति

हेक्टेयर की आवश्यकता होती है अतः किसानों से अपील हे कि उक्तानुसार ही उर्वरक का प्रयोग करें। जनपद में ऊर्वरकों की कोई कमी नहीं है, गन्ने में अंतिम टॉप ड्रेसिंग चल रही है और धान में भी एक ड्रेसिंग होनी है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र में जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर, 2025 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु निदेशालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा निर्धारित श्रेणी के अनुसार आवेदन आमंत्रित किये गये है। उक्त श्रेणियों की पात्रता रखने वाले इच्छुक व्यक्ति/संस्थाएँ पुरस्कार हेतु 03 प्रतियों में प्रस्ताव निर्धारित आवेदन पत्र के साथ पूर्ण विवरण/अभिलेखों सहित कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, अमरोहा को 10 अगस्त, 2025 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिससे पुरस्कार हेतु अग्रिम कार्यवाही की जा सके। राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/ स्वनियोजित

दिव्यांगजन के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्त्रोत हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल बेवसाइट हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार जानकारी हेतु कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन कक्ष सख्या 18 जोया रोड, अमरोहा में किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते है।

फर्जी बीमा पॉलिसी व पर्सनल लोन करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना रजपुरा पुलिस टीम द्वारा कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फर्जी बीमा पॉलिसी व पर्सनल लोन करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का एक सदस्य पंकज कुमार ढाली पुत्र स्व० अतुल चन्द्र ढाली नि० ग्राम अरविन्दनगर थाना सितारगंज जनपद उधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड) हाल निवासी वैशाली गाजियाबाद को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के कब्जे से एक लैपटॉप व दो मोबाइल फोन व विभिन्न बैंकों की 39 चैक बुक व 7 डेबिट कार्ड व 28 आधार कार्ड व 23 पैन कार्ड बरामद किये गये है। बरामद अभिलेख दिल्ली, उत्तराखण्ड, पंजाब, उत्तरप्रदेश के रहने वाले व्यक्तियों से सम्बन्धित है। अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। अभियुक्त शाहरुख खान पुत्र सुखे खाँ निवासी भईयापुर थाना धनारी जनपद सम्भल, हीरेन्द्र कुमार पुत्र अनेकराम नि० ग्राम मेहुआ हसनगंज थाना रजपुरा जनपद सम्भल इत्यादि को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के कब्जे से विभिन्न बैक (इण्डियन बैंक, उज्जीवन बैंक, उत्कर्ष बैंक, पेटीएम बैंक, फिनो बैंक, बैंक ऑफ बडौदा, बन्धन बैंक, सैन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, भारतीय स्टेट बैंक) की 81 पासबुक व 16 चैक बुक व 35 डेबिट कार्ड व 25 आधार कार्ड व 18 पैन कार्ड व 51 बीमा पॉलिसी क्लेम फार्म व 31 मृत्यु प्रमाण पत्र व 17 बीमा पॉलिसी बोन्ड व 12 फोटो कांपी बीमा पॉलिसी व 2 लैपटॉप व 5 मोबाइल फोन व 7 भिन्न भिन्न सिम व विभिन्न बैंको की 18 सील मोहर व 1 मैट्रो ट्रेन कार्ड व दो बैंग बरामद किये गये हैं।

जीवित व्यक्ति को मृत दिखाकर बीमा की राशि इस तरह हड़पते थे

धर्मेन्द्र पुत्र बेनी सिंह नशे का आदी था, इसका लिवर खराब हो रहा था व इसकी आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। यह व्यक्ति ज्यादा पढा लिखा नहीं है। गिरोह के सदस्यों शाहरुख खान, कल्पना व पंकज कुमार ढाली द्वारा धर्मेन्द्र को इलाज हेतु सरकारी आर्थिक सहायता दिलवाने के बहाने से उसके आधार व पैन कार्ड प्राप्त किये गये। पंकज कुमार ढाली द्वारा धोखाधडी से इन दस्तावेजों में धर्मेन्द्र का पता बदलवाया गया। इस बदले हुये पते के संशोधित आधार व पैन कार्ड को पंकज कुमार ढाली द्वारा शाहरुख खान को भेजा गया जिसमें धर्मेन्द्र के नाम पर आई.सी. आई.सी. आई, टाटा एआईए, रिलायन्स निप्पन, एच.डी.एफ.सी लाइफ इन्श्योरेन्स की कुल लगभग 90 लाख रुपये की बीमा पॉलिसी जनवरी से जुलाई 2024 के बीच में करायी गयी। इन बीमा पॉलिसी का क्लेम पाने के लिये अभियुक्त शाहरुख खान द्वारा अभियुक्त विरेन्द्र, नबाज अहमद आदि के साथ मिलकर धोखाधडी से धर्मेन्द्र पुत्र बेनी सिंह के जी. बी पन्त में इलाज के दौरान मृत्यु सम्बन्धी प्रपत्र बनवाये गये और इन प्रपत्रों के आधार पर दिल्ली एम.सी.डी द्वारा 28.11.2024 की मृत्यु तिथि का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। 15.02.2025 को अभियुक्तगण शाहरुख खान इत्यादि की गिरफ्तारी होने के कारण अभियुक्तगण द्वारा क्लेम के लिये आवेदन नहीं किया गया जिससे अब तक की विवेचना में किसी भी पॉलिसी का भुगतान होना प्रकाश में नहीं आया है।

आरोपी पंकज कुमार ढाली ने बताया पर्सनल लोन की धोखाधडी इस तरह करते थे

किसी भी कम्पनी को खरीदना व कम्पनी सम्बन्धित सभी दस्तावेज पूरे करना। कम्पनी के डायरेक्टर के रुप में भोले भाले लोगो से डोक्यूमेन्ट प्राप्त कर उन्हें डायरेक्टर बना देना। उदाहरणतः अभियुक्त पंकज कुमार ढाली द्वारा वर्तमान में एक कम्पनी अर्श एन्टरप्राइजेज संचालित की जा रही है। जिसके दो अन्य व्यक्ति डायरेक्टर है परन्तु उन दोनों व्यक्तियों को इस सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं होना पाया गया। फेलेनेक्स लैव प्राइवेट लिमिटेड जिसमें धर्मेन्द्र को कर्मचारी होना बताया है, इसी तरह की एक कम्पनी थी, जिसको फर्जी तरीके से अभियुक्त पंकज कुमार ढाली व अन्य व्यक्ति मनीष संचालित करते थे। इसके उपरान्त अभियुक्तगण बैंक को सम्पर्क करते थे ताकि वह अपने तथाकथित कर्मचारियों के सैलरी अकाउन्ट खोल सके। बैंक द्वारा सत्यापन हेतु इनके द्वारा एक फर्जी ऑफिस तैयार किया जाता था। कम्पनी में कर्मचारियों को दिखाने के लिये अभियुक्तगण द्वारा ऐसे व्यक्तियों को तलाश किया जाता था जोकि गरीब है और जिन्हें पैसे की अत्यन्त आवश्यकता है। इन व्यक्तियों को लालच देकर इनसे इनके आधार व पैन कार्ड प्राप्त कर लिये जाते थे। इसके बाद सबसे पहले आधार कार्ड में कूटरचित दस्तावेज के आधार पर पते व मोबाइल नम्बर का बदलाव किया जाता था। इस संशोधित पते के आधार कार्ड का इस्तेमाल करते हुये अभियुक्तगण द्वारा पैन कार्ड में पते और हस्ताक्षर व मोबाइल नम्बर सम्बन्धित बदलाव किये जाते थे। यह बदलाव इसलिये किये जाते थे कि आधार कार्ड धारक या पैन कार्ड धारक तक कोई भी अन्य व्यक्ति ना पहुँच पाये। संशोधित आधार व पैन कार्ड से अभियुक्तगण तथाकथित कर्मचारियों के खाते बैंक में खुलवाते थे और धोखाधडी से इन व्यक्तियों का ई-केवाईसी कराते थे। इन खातों को जिन मोबाइल नम्बर से लिंक किया जाता था उन सभी की सिम अभियुक्तगण द्वारा ही अपने पास रखी जाती थी। इन खातों से सम्बन्धित सभी चैकबुक व अन्य दस्तावेज अभियुक्तगण के पास से बरामद हुये है।

खाते खुलने के उपरान्त अभियुक्तगण द्वारा इन खातों में सैलरी के रुप में धनराशि डाली जाती थी। अभियुक्तगण विभिन्न खातों में धनराशि को घुमाते रहते थे।

पाँच से छः महीनों तक वेतन भुगतान के बाद बैंक द्वारा प्री-अप्रूव्ड लोन ऑफर किया जाता था, जिसे अभियुक्तगण तुरन्त इस्तेमाल करके लोन की राशि प्राप्त कर लेते थे। इस लोन की पाँच छः महीने तक वह किश्त चुकाते थे ताकि किसी को शक न हो और रिकवरी जल्दी शुरू न हो। बडे लोन का भुगतान तब तक करते थे जब तक अन्य तथाकथित कर्मचारियों के खातो में भी लोन का पैसा ना आ जाये। जब कई कर्मचारियों के खातो में लोन का पैसा आ जाता था तब अभियुक्तगण लोन चुकाना बन्द कर देते थे। क्योंकि अभियुक्तगण पहले ही आधार व पैन कार्ड में पते का बदलाव कर चुके है और अधिकांश व्यक्ति मजदूर वर्ग के होते है जोकि भ्रमणशील रहते है, इसलिये रिकवरी के समय इन व्यक्तियों को तस्दीक कर पाना लगभग असम्भव होता है। विवेचना में यह पाया गया कि अभियुक्त पंकज कुमार ढाली द्वारा अन्य अभियुक्तों के साथ मिलकर धोखाधडी से पंजाब के गुरदासपुर, उत्तराखण्ड के हरिद्वार, उधम सिंह नगर व उत्तरप्रदेश के बरेली, बागपत, मेरठ, पीलीभीत, मुरादाबाद इत्यादि जिलो के लोगों को अपनी कम्पनी का कर्मचारी दिखाते हुये, कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर पर्सनल लोन प्राप्त कर, लोन की राशि हडपने की धोखाधड़ी की गयी है।

सांप काटने से किशोर की मौत, गांव में मचा हाहाकार

हसनपुर/रहरा (सब का सपना):- सांप के काटने से एक किशोर की मौत हो गई जबकि कुछ लोगो का उपचार किया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों ने गांव के तालाब से सांपों का रेस्क्यू किए जाने की मांग की है। रहरा थाना क्षेत्र के गांव तरौली में एक तालाब में बरसात का गंदा पानी जाने से उसमे रहने वाले जहरीले सांप घरों की तरफ दौड़ने लगे हैं। जहां गांव निवासी बारह वर्षीय किशोर अर्पित पुत्र अशोक उर्फ लाला की सांप के काटने से मौत हो गई। वहीं सर्पदंश का शिकार गांव निवासी पंद्रह वर्षीय मोहित एवं पंद्रह वर्षीय सोनी तथा छब्बीस वर्षीय रजनी व चालीस वर्षीय मुनेश आदि भी सर्पदंश का शिकार हो गए। जिनका उपचार किया जा रहा है। गांव में सांपों का इतना डर बना हुआ है कि बच्चे, बड़े सभी इस खौफ में जिन्दगी जीने को मजबूर हैं। ग्रामीण गांव के तालाब तथा घरों से सांपों के रेस्क्यू किए जाने की मांग कर रहे हैं। गांव की आवादी के नजदीक एक तालाब है वहां सांपों का बसेरा रहता था। बरसात का गंदा पानी भरने से कीचड़ हो गई जिसके चलते सांप गांव की तरफ दौड़ पड़े। फिलहाल गांव में सांपों के डर से कोहराम मचा हुआ है। वहीं प्रशासन से ग्रामीणों ने सांपों को पकड़वाए जाने की मांग की है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य मनीषा अहलावत ने गढ़मुक्तेश्वर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

महिला जनसुनवाई में आई शिकायतो का प्राथमिकता के आधार पर करें निस्तारण: मनीषा अहलावत

हापुड़ (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्य मनीषा अहलावत की अध्यक्षता में गढ़मुक्तेश्वर तहसील जनपद हापुड़ में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ सफाई बेहतर करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात तहसील स्थित सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जनपद में हिंसा से पीड़ित 06 महिलाओं की जनसुनवाई की गई। जिसमें पारिवारिक विवाद ,दहेज उत्पीड़न, मारपीट संबंधित, महिलाओं के केस आए जिनका राज्य महिला आयोग सदस्य द्वारा संबंधित थानों के प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई में जनपद के उप जिलाधिकारी गढ़ तहसीलदार गढ़, क्षेत्राधिकारी गढ़, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी महिला थाना प्रभारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी के साथ समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम के पश्चात सदस्य द्वारा स्वास्थ्य कैंप व ब्लड बैंक शिविर का भी आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी हापुड़ के साथ जिला प्रोबेशन कार्यालय से अमित, संरक्षण अधिकारी, रविंद्र कुमार विधि परिवीक्षा अधिकारी हुमा चौधरी सामाजिक कार्यकर्ता,रोहित सिंह आउटरीच कार्यकर्ता,सोनिया प्रभारी वन स्टॉप सेंटर के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोतवाली परिसर में आगामी त्यौहार सकुशल संपन्न कराने के लिए की गई अमन कमेटी की बैठक

हसनपुर (सब का सपना):- कोतवाली परिसर में आगामी त्यौहारों को लेकर अमन कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें त्योहारों को सकुशल संपन्न कराए जाने के बारे में विचार विमर्श किया गया। बुधवार को कोतवाली परिसर में एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत के निर्देशन में अमन कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं कोतवाल दिनेश कुमार शर्मा ने लोगों से अपील कर कहा कि आगामी त्यौहारों को लेकर अपने-अपने विचार रखें। और आगामी त्यौहारों को सकुशल संपन्न कराया जाए ताकि भाईचारे व सौहार्द के साथ त्योहार को सकुशल मनाया जाए और एकता का संदेश दिया जा सके। वहीं क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत एवं एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी ने निर्देशित कर कहा कि त्योहारों में दंगाई करने एवं सोशल मीडिया आदि पर गलत कमेंट व अफवाह फैलाने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, ईओ विजयपाल सिंह, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, व्यापारी नेता मनोज गोयल, सौरभ गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू राणा, मंडलमंत्री प्रमोद शर्मा, चमन प्रधान, सभासद शराफत अली, हम्जा अली आदि समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बादल फटने की त्रासदी पर शिव मंदिर में हुई प्रार्थना

उत्तराखंड आपदा में लापता लोगों की सलामती के लिए मांगी दुआ

चंदौसी/संभल (सब का सपना) हनी चन्द्रा:- अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल द्वारा उत्तराखंड के धराली क्षेत्र में खीरगंगा के पास बादल फटने से आई भीषण आपदा के बाद पीड़ितों की सलामती और बचाव कार्यों की सफलता के लिए बुधवार को रघुनाथ आश्रम स्थित शिव मंदिर में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। बुधवार को नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने बताया कि खीरगंगा क्षेत्र में बादल फटने से भारी मलबा और जलजला आया जिससे सैकड़ों लोग लापता हो गए हैं और व्यापक तबाही हुई है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य कराने की अपील की,साथ ही पहाड़ी क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी उठाई। समाजसेवी डॉ.टीएस पाल ने इस प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना की। उन्होंने यह भी कामना की कि लापता लोग सुरक्षित रूप से अपने परिवारों से मिलें।प्रार्थना सभा में आचार्य ऋतुपर्ण शर्मा, अमन श्रीवास्तव, टीकाराम शर्मा, हर्षित भारद्वाज, सचिन शर्मा, सुमीत गुप्ता, भाजपा नेता शुभम अग्रवाल सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने आपदा में प्रभावित लोगों के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की और मदद के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया।

आरडीएच फाउंडेशन एनजीओ ने मैरी हॉस्पिटल से की साझेदारी, गरीबों का होगा मुफ्त इलाज

हापुड (सब का सपना):- आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह, उपराष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ परिवार ने और मैरी हॉस्पिटल ने मिलकर गरीब परिवार के लोगों के इलाज के लिए अस्पताल खोला है। इस दौरान डॉ ओमपाल सिंह ने बताया की आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ के द्वारा जो भी गरीब बेसहारा मरीज भेजे जाएंगे उन सब मरीजजो का फ्री में इलाज किया जाएगा। आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह उपराष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह राजपूत ने बताया की मैरी हॉस्पिटल में एनजीओ के द्वारा जो भी बीमार लोग भेजे जाएंगे। उन सभी के इलाज का टोटल खर्चा आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ परिवार देगा। इस दौरान आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह, उप राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित राजपूत, राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह चौहान, निर्देशक, बरन सिंह, मांगे सिंह, कैलाश सिंह, अशोक सिंह , राष्ट्रीय उपसचिव मोहित सिंह उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान,पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित चौहान, संजय चौहान, दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जॉली चौहान, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज चौहान, दिल्ली प्रदेश सालकर कुलदीप चौहान,मंडल अध्यक्ष रीना राजपूत, अनीता केवट, मेरठ मंडल अध्यक्ष हरि प्रकाश गुप्ता, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह उपजिला जिला अध्यक्ष हर शरण प्रजापति, गजरौला अध्यक्ष विकास, चौहान ,हसनपुर अध्यक्ष नरेश चौहान, जिला गाजियाबाद अध्यक्ष प्रेमचंद चौहान, बागपत अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, अध्यक्ष में राम सिंह राजपूत ,मनीष राजपूत, अंजली राजपूत ,रितु राजपूत, छोटे अंजली राजपूत, सोनू राजपूत, ग्राम अध्यक्ष बाबूगढ़ रहीश कुमार,मौजूद रहे।

गणपति बाबा की पालकी को नया स्वरूप देने में जुटे स्वयंसेवी कलाकार

चंदौसी/संभल (सब का सपना) हनी चन्द्रा:- मेला गणेश चौथ के शुभारम्भ के दौरान प्रतिवर्ष गणपति बाबा की प्रतिमा को गणपति पालकी में विराजमान करके भक्तों द्वारा गाजेबाजे के साथ गणेश मन्दिर से ले जाकर वैदिक मन्त्रों से पूजन करके मेला ग्राउंड स्थित गणेश स्तम्भ में स्थापित किया जाता हैं। गणपति बाबा को जिस पालकी में विराजमान करके स्थापित करने के लिए मेला ग्राउंड में ले जाया जाता हैं, वह पालकी भव्यता-दिव्यता के साथ स्वयंसेवी कलाकारों द्वारा तैयार की जाती हैं। गणपति पालकी को तैयार करने में जुटे सम्राट हॉस्पिटल के डॉ. शेखर वार्ष्णेय ने बताया कि ये गणपति पालकी प्रतिवर्ष नए स्वरुप में तैयार की जाती हैं जैसे गत वर्षों में स्वर्ण छवि धातु, भारतीय मुद्रा नोट, रंग बिरंगे मोती, अनाज आदि से श्रृंगार करके तैयार की गई उसी परिपेक्ष में इस वर्ष इसको सिल्वर छवि धातु जोकि चांदी धातु की तरह आकर्षित होगी उससे तैयार किया जाएगा। गणपति पालकी को तैयार करने में डॉ शेखर वार्ष्णेय, अभिषेक मिश्रा, प्रतीक वार्ष्णेय किट्टू, सचिन, पवन, सौरभ, विजय, सोहनलाल, दीपक आदि जुटे हैं।

कृषि तकनीकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) योजनान्तर्गत गवर्निंग बोर्ड की जिलाधिकारी ने की बैठक

अमेठी (सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि तकनीकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) योजनान्तर्गत गवर्निंग बोर्ड की बैठक संपन्न हुई। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने गवर्निंग बोर्ड की बैठक में संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ अधिक से अधिक पात्र किसानों को दिलाएं जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि जनपद के प्रगतिशील कृषकों को ऐसे अनुसंधान केंद्रों का भ्रमण कराया जाए जहां किसी उद्यानीकरण के साथ-साथ अन्य कार्यक्रम भी संचालित होते हैं जिससे कृषक अपनी फसल उत्पादन के साथ-साथ बागवानी, पशुपालन, मछली पालन, आदि का भी प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने आय के स्रोतों में बढ़ोतरी कर सके। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य की प्राप्ति निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुपालन विभाग व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं, समुचित संसाधनों की उपलब्धता, खाद्य सुरक्षा समूह का गठन, कृषक मेला, कृषक गोष्ठी, ग्राम स्तरीय, जनपद स्तरीय, राज्य स्तरीय, अंतर्राज्य स्तरीय कृषक भ्रमण, कृषक प्रशिक्षण, कृषक प्रदर्शन, प्रसार कार्मिक एवं वैज्ञानिकों का भ्रमण समय-समय पर आयोजित किए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि योजना का उद्देश्य समग्र उत्पादन, कृषक समूहों का गठन, खाद्य सुरक्षा समूह गठन व कृषक जिज्ञासाओं/समस्याओं का निराकरण करना है। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, उप निदेशक कृषि सत्येंद्र कुमार, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, प्रगतिशील किसान, पशुपालक स्वयं सेवी संस्था सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दीवार गिरने से तीन वर्षीय बालक की मौत, बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल

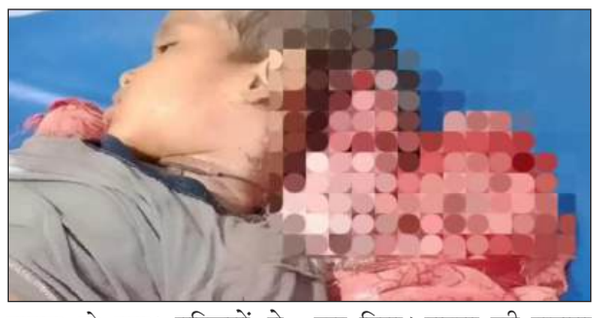

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- कोतवाली क्षेत्र के ककवा गांव में मंगलवार देर रात 11 बजे दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें तीन वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी हरिकेश वर्मा के दो बेटे झ युग (3 वर्ष) और सुमित (9 वर्ष) झ रात को घर के एक कमरे में सो रहे थे। उसी दौरान अचानक घर की जर्जर दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से युग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने तत्काल सुमित को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव में मासूम की मौत से शोक की लहर है।

श्री हरि बाबा मोटर्स एजेंसी का भाजपा जिला अध्यक्ष व विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर गंवा रोड पर स्थित रहरा में श्री हरि बाबा मोटर्स के नाम से मोटरसाइकिल एजेंसी का उद्घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी व विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी ने फीता काटकर किया। इस दौरान श्री हरि बाबा मोटर्स एजेंसी के संचालक सुधीर शर्मा ने कहा कि वह हमेशा से समाज की सेवा करते रहे हैं उन्होंने कहा कि हमारे यहां आगामी त्यौहारों व बहन बेटीयो की शादी में बाइक खरीदने पर स्पेशल ऑफर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें जनता का साथ और सपोर्ट मिलता रहे हम हमेशा जनता की सेवा करते रहेंगे। उद्घाटन समारोह में सम्राट अग्रवाल, राजीव गोयल,विष्णु शर्मा, विकाश, विशाल, सुरेन्द्र उमेश अशोक, भूरा, विनीत, मनोज, आदि लोग उपस्थित रहे।

बिजनौर बैराज से छोड़ा गया 1,74,339 क्यूसेक पानी,24 घंटे के भीतर गंगा के जलस्तर में 35 सेंमी की बढ़ोत्तरी

खादर क्षेत्र के लोगों के माथे पर खिंची चिंता की लकीरें

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविंद्र सिंहः- मंगलवार को बिजनौर बैराज से छोड़े गए 1,74,339 क्यूसेक पानी का असर तिगरी धाम स्थित गंगा में बुधवार को देखने को मिला। बुधवार को गंगा का जल स्तर बढ़कर 200.70 हो गया है। 24 घंटे के भीतर गंगा के जलस्तर में 35 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी हुई है।गंगा का जल स्तर बढ़ने से गंगा किनारे स्थित खादर क्षेत्र के दर्जन भर गांवों के लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गईं हैं,भले ही तिगरी में खतरे का निशान 202.420 मी है, लेकिन जितना जलस्तर इस समय हो रहा है, वह भी चिंता बढ़ाने लायक है, क्योंकि खादर क्षेत्र के खेतों में तो कई कई दिन से पानी भरा हुआ है।

बता दें कि इस समय पहाड़ों पर लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण गंगा के जलस्तर में खासी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हरिद्वार और बिजनौर स्थित बैराज से पानी क्षमता से अधिक हो जाने के कारण लगातार डाउनस्ट्रीम में छोड़ा जा रहा है, जिससे गंगा के जलस्तर में तिगरी एवं ब्रजघाट क्षेत्र में भी काफी वृद्धि देखने को मिल रही है। मंगलवार को गंगा का जलस्तर 200.30 सेंटीमीटर था, लेकिन बुधवार को गंगा के जलस्तर में 40 सेंटीमीटर की बड़ी बढ़ोत्तरी हुई है इस कारण खादर क्षेत्र के दर्जन भर गांवों के लोग चिंतित हैं। हालांकि पानी अभी आबादी तक नहीं पहुंचा है, लेकिन खेतों में तो कई दिन से काफी पानी जमा हो है। इस कारण फसलें भी गलने की कगार पर जा पहुंची है, ग्रामीणों के समक्ष पशुओं के लिए चारे का भी इंतजाम नहीं हो पा रहा है। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने बाढ़ की आशंका को देखते हुए खादर क्षेत्र के गांव का ट्रैक्टर और नाव द्वारा भी जायजा लिया है और पुलिस, बाढ़ खण्ड विभाग समेत अन्य सभी संबंधित विभागों को 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश दिये हैं। डीएम ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। वहीं बाढ़ खण्ड विभाग के जेई सुभाष कुमार ने बताया कि विभागीय कर्मचारियों द्वारा लगातार गंगा क्षेत्र और तटबंधों की निगरानी की जा रही हैं। बाढ़ चौकियां भी पूरी तरह से अलर्ट हैं। गंगा के बढ़ते घटते जलस्तर की रिपोर्ट भी सुबह शाम मुख्यालय को उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं गंगा के बढ़ते जलस्तर के दृष्टिगत पुरोहितों की झोपड़ियां और अस्थाई होटल, ढाबों को भी पीछे कराया जा रहा है।इस सीजन में पहली बार बिजनौर बैराज से दो लाख से अधिक क्युसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे सीधे तौर पर बैराज से निचली धारा में होकर बहने वाली गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोत्तरी होगी। तिगरी गंगा धाम में बुधवार को पूर्वान्ह में जहां गेज 200.70 मीटर पर था, लेकिन 2,26,599 क्यूसेक की बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद बुधवार की देर रात या बृहस्पतिवार की सुबह जलस्तर बढ़ने की पूरी पूरी आशंका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज 10 बजे संभल में करेंगे जनसभा को संबोधित

बहजोई/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश भर में दौरे पर हैं।वह आज लगभग 10:00 बजे के आसपास संभल पहुंचेंगे जिसको लेकर प्रशासन ने अपनी पूरी तैयारी कर ली है। ज्ञात रहे की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश भर में दौरा कर रहे हैं आज उनका भ्रमण कार्यक्रम जनपद संभल में है। आज योगी आदित्यनाथ का उड़न खटोला 10 बजे बहजोई की सर जमी पर उतरेगा। उसके बाद वह नवनिर्मित पुलिस लाइन का भ्रमण करेंगे। इसके बाद समीक्षा बैठक की जाएगी। बैठक करने के बाद योगी आदित्यनाथ जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री के आने से क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह देखने के लिए मिल रहा है जनता योगी आदित्यनाथ के मन की बात सुनने के लिए उत्सुक है। प्रशासन ने भी अपनी कमर कस ली है।

अमरोहा ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के विकासखंड अमरोहा परिसर सभागार में ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का संचालन नीरज कुमार गर्ग खंड विकास अधिकारी द्वारा किया गया। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया गया। जिसकी सभी सदस्यों द्वारा पुष्टि की गई। इसके पश्चात एजेंडा बिंदुओं के अनुसार मनरेगा, प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, पेंशन योजना, जल निगम एवं शिक्षा विभाग, वन विभाग के उपस्थित अधिकारियों प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया। जिसमें भारी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित क्षेत्र पंचायत सदस्यों द्वारा पंचम राज्य वित्त 15वीं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों को करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इस बैठक में राजवीर सिंह सहायक विकास अधिकारी, आकाश पाल सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण, अरविंद मित्तल के आर ई डी, बृजभान सिंह अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, गौरव गंधर्व सहायक विकास अधिकारी आईएसबी, सत्येंद्र सिंह ग्राम विकास अधिकारी, जय किशोर सिंह ग्राम विकास अधिकारी, पुष्पा ग्राम पंचायत अधिकारी साथ ही अन्य मौजूद रहे। इस दौरान सुरेंद्र सिंह ढिल्लों अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत ने बैठक में उपस्थित सदस्यों अधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए बैठक का समापन किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों को लेकर डीएम व एसपी ने की बैठक

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों को लेकर आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार जनपद में 02 अगस्त से 15 अगस्त तक तीन चरणों में ह्लहर घर तिरंगा अभियान-2025ह्व चलाया जायेगा। उन्होने बताया है कि जनपद में प्रथम चरण 02 अगस्त से 08 अगस्त तक, द्वितीय चरण दिनांक 09 से 12 अगस्त 2025 तक तथा तृतीय चरण 13 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक चलेगा। प्रथम चरण 02 अगस्त से 08 अगस्त तक चलेगा जिसमें स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगा से प्रेरित कला से सजाया जायेगा, विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई जायेंगी, स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों आदि पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन, सैनिकों एवं सिपाहियों को राखी एवं पत्र का प्रेषण किया जायेगा तथा सार्वजनिक स्थानों/बाजारों को तिरंगा के रंगों को प्रदर्शित करने के लिए तिरंगे धागों युक्त तिरंगा बुनाई और धागे की गतिविधि का आयोजन कराया जायेगा। उन्होने बताया है कि हर घर तिरंगा अभियान का द्वितीय चरण दिनांक 09 से 12 अगस्त 2025 तक चलेगा, जिसमें तिरंगा महोत्सव के रूप में एक ही दिन तिरंगा मेला और भव्य तिरंगा म्यूजिकल कॉसर्ट का वृहद आयोजन किया जायेगा, तिरंगा महोत्सव का आयोजन मा0 जनप्रतिनिधियों और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों एवं खिलाड़ियों की उपस्थिति में कराया जायेगा। तिरंगा महोत्सव आयोजित किए जाने वाले प्रमुख स्थल पर तिरंगा मेला का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश सरकार के स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पाद तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के सहयोग से निर्मित उत्पादों स्थानीय उत्पादों (ओडीओपी), तिरंगा रंग की थीम वाली वस्तुओं (खाद्य सामग्री/ परिधान/ वस्त्र/श्रृंगार सामग्री आदि) की बिक्री पर केन्द्रित तिरंगा मेला का आयोजन तथा मेले में तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन भी किया जायेगा। जिसकी सेल्फी वेबसाइट www.harghartiranga.com पर अपलोड की जायेगी। वीआईपी कार्यक्रम के दिन, व्यापक जनभागीदारी के साथ, प्रसिद्ध और स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य तिरंगा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जनपद के पुलिसकर्मियों, अर्धसैनिकबलों, एन०सी० सी०, एन० एस०एस०, सिवल डिफैन्स, होमगार्ड्स एवं खेल विभाग आदि के सहयोग से तिरंगा बाइक रैली, तिरंगा साइकिल रैली का आयोजन किया जायेगा। तिरंगा रैलियों/यात्राएँ: बृहद तिरंगे कपड़े के साथ तिरंगा रैलियों/यात्राओं का आयोजन सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों ब्लॉकों और पंचायतों में आयोजित किए जाएँगे, जिनमें स्कूली बच्चों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। तिरंगा और उससे सम्बन्धित वस्तुओं आदि की बिक्री को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय बाजारों में सौंदर्यपरक तिरंगा प्रकाश और सजावट किया जायेगा तथा जनपद में स्वयं सहायता समूहों, पी०डी०एस० दुकानों, खादी भंडारों और स्थानीय बाजार के वस्त्रालयों आदि के माध्यम से तिरंगा की बिक्री और वितरण का प्रबंधन किया जायेगा। इसी प्रकार उन्होने बताया है कि हर घर तिरंगा अभियान का तृतीय चरण 13 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक चलेगा, जिसके मध्य सभी शासकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों, बाँधों, पुलों आदि पर ध्वजारोहण समारोह और तिरंगा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी तथा नागरिकगण को तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट www.harghartiranga.com पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने झण्डा फहराने के नियम के सम्बन्ध में बताया है कि प्रत्येक नागरिक को अपने आवास/स्कूल तथा सरकारी कार्यालयों में झण्डा सम्मान के साथ झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुए फहराना/लगाना है। झण्डा फहराते समय सदैव केसरिया रंग की पट्टी झण्डे के ऊपर की तरफ होनी चाहिए, झण्डे को यदि सरकारी अवसर पर फहराया जाता है तो सूर्योदय के उपरान्त ध्वजारोहण किया जाना चाहिये तथा सूर्यास्त के साथ सम्मान के साथ उतारना चाहिए। निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाये जाने वाले झण्डों को उक्त समयावधि के उपरान्त आदर भाव के साथ उतार कर रखा जायेगा। झण्डा उतारने के बाद किसी के भी द्वारा फेंका नहीं जायेगा उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाना चाहिए। विशेष परिस्थितियों में झण्डा रात्रि में फहराया जा सकता है तथा हर घर पर झण्डा विधिवत तरीके से लगाया जाना चाहिए, आधा झुका, फटा या कटा झण्डा लगाया जाना निषेध होगा। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जनपद में कुल 4.50 लाख घरों में तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित है जिसके सापेक्ष स्वयं सहायता समूह द्वारा झंडा निर्माण की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है इसके अतिरिक्त खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा भी खादी के झंडे की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सात्विक श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, डीआईओएस डॉ राजेश द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन अयोध्या ऑडिटोरियम में 22 अगस्त को

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिला समाज कल्याण अधिकारी नलिनराज ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पोर्टल में संशोधन, समय-सारिणी आदि का प्रस्तुतीकरण व हितधारकों की समस्याओं के निराकरण व प्रश्नोत्तर के लिए मण्डल/जनपद स्तर पर 22 अगस्त 2025 दिन शुक्रवार को विश्वविद्यालय अयोध्या के ऑडिटोरियम हॉल में दोपहर 12 बजे से कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस क्रम में उन्होंने जनपद के समस्त निदेशक/प्राचार्य/ महाविद्यालय/ शिक्षण संस्थानों सहित अन्य अधिकारियों को अपने स्तर से सम्बन्धित को अवगत कराने का अनुरोध किया है।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी जनता की समस्याएं

अधिकारियों को दिए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

टैरिफ पर अमेरिका से खींचतान, हरियाणा को क्या होगा नुकसान ? इस मुद्दे पर बढ़ गई सरकार की चिंता

हरियाणा : भारत और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। जिसका असर हरियाणा पर भी पड़ सकता है। हरियाणा सरकार व अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके तहत अमेरिकी व्यापार एवं विकास एजेंसी (USTDA) को हिसार एयरपोर्ट और इंटीग्रेटेड एविएशन हब (IAH) को विकसित करने में तकनीकी और आर्थिक मदद करनी थी। इसमें अमेरिका की ओर से 10.53 करोड़ रुपए (करीब 1.25 मिलियन डॉलर) का निवेश किया जाना था। लेकिन मौजूदा हालातों को देखते हुए आशंका है कि अमेरिकी एजेंसी इस परियोजना से पीछे हट सकती है या इसमें अड़चनें आ सकती हैं। बता दें कि जुलाई 2024 में अमेरिका के न्यूयॉर्क में 3 दिवसीय अमेरिकी-भारत विमानन शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें यूएसटीडीए के साथ हिसार एयरपोर्ट को विमानन हब बनाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने पर सहमति बनी थी और यूएसटीडीए निदेशक एनोह टी एबोंग ने अनुदान निधि की मंजूरी की घोषणा की थी।

अब गरीबों और जरूरतमंदों के इलाज में नहीं आएगी कोई रुकावट, आयुष्मान कार्ड को लेकर आई बड़ी खबर

चंडीगढ़: हरियाणा में आयुष्मान भारत योजना से जुड़े निजी अस्पतालों की संभावित हड़ताल की चेतावनी के बीच, राज्य सरकार ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए योजना के तहत बकाया भुगतानों के लिए बजट जारी कर दिया। सरकार के इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश में गरीबों और जरूरतमंदों के इलाज में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) हरियाणा ने 28 जुलाई को पत्र जारी कर चेतावनी दी थी कि अगर लंबित भुगतानों का समाधान नहीं हुआ तो 7 अगस्त से आयुष्मान कार्डधारकों का इलाज बंद कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, सरकार ने 4 अगस्त को बजट जारी किया और उसी दिन से भुगतान प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई।

मई 2025 के पहले सप्ताह तक के सभी दावे निपटाए जा चुके हैं। उन्होंने कह कि इस योजना की शुरूआत से अब तक राज्य के अस्पतालों को 2,900 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका है। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 50 डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम दावों की ऑनलाइन समीक्षा करती है। अस्पतालों को दस्तावेजों की कमी की स्थिति में अपील करने का भी मौका दिया जाता है, जिसे एक विशेष मेडिकल ऑडिट समिति द्वारा जांचा जाता है।

इसके अतिरिक्त, राज्य स्वास्थ्य एजेंसी ने अस्पतालों की शिकायतों को सुनने के लिए सीजीआरएमएस 2.0 पोर्टल

को भी सक्रिय रूप से उपयोग में लिया है। इस पर अब तक 400 से अधिक शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इनके समाधान के लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए हैं। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि अस्पतालों के पैनलमेंट और एनएबीएच प्रोत्साहन की प्रक्रिया भी सरल और पारदर्शी हो।

जिन अस्पतालों के पास वैध एनएबीएच प्रमाणपत्र है, उन्हें पात्रता के आधार पर प्रोत्साहन मिलेगा।

एसएचए ने दोहराया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लोगों को सुचारु और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले, यह उनकी प्राथमिकता है। राज्य सरकार और आईएमए के बीच संवाद जारी है

और सभी हितधारकों से अपील की गई है कि वे इस योजना के तहत जनता की सेवा में अपना योगदान देते रहें।हालांकि सरकार द्वारा जारी की गई 300 करोड़ की राशि अभी तक अस्पताल संचालकों के बैंक खातों में नहीं पहुंची है। सरकारी प्रक्रिया में पैसा पहुंचने में दो से 7 दिन का वक्त लग जाता है। वहीं आईएमए ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा जारी की गई राशि पुराने अप्रैल व मई माह के बिलों की है। अभी भी जून और जुलाई के बिलों का भुगतान बाकी है। इसलिए सात अगस्त की रात 12 बजे से होने वाली हड़ताल के फैसले पर आईएमए अड़िग है। इधर, स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के महानिदेशक डॉ. मनीष बंसल ने आशंका जताई कि योजना के क्रियान्वयन में कहीं न कहीं अनियमितता बरती जा रही है। इसकी जांच चल रही है।

झज्जर में ट्रक और बाइक की टक्कर में युवक की मौत, दूसरा घायल

झज्जर : झज्जर जिले के गांव मातनहेल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठे दूसरे युवक को गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक को इलाज के लिए रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए झज्जर के नागरिक अस्पताल भिजवाया।

मृतक की पहचान और घटना का विवरण

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 35 वर्षीय शिवचरण पुत्र रामफल निवासी गांव मातनहेल, जिला झज्जर के रूप में हुई है। वह विवाहित था और ड्राइवर के रूप में कार्यरत था। उसके परिवार में एक 11 वर्षीय बेटी और 8 वर्षीय बेटा है। हादसे के समय शिवचरण अपने साथी प्रदीप के साथ निजी काम के लिए नौगांव गया हुआ था। वापसी के दौरान जैसे ही वे अनाज मंडी के पास पहुंचे, एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में शिवचरण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस जांच और कार्रवाई

जांच अधिकारी एएसआई कुलदीप ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि मातनहेल के पास ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और दूसरा घायल है। सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। पुलिस ने घायल प्रदीप के बयान पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटना करने का मामला दर्ज किया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जांच अधिकारी का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अंबाला में टांगरी नदी में बढ़ा जलस्तर, दो साल पुरानी तबाही की यादें फिर ताजा

अंबाला : पहाड़ों में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में दिखाई देने लगा है। मैदानी इलाकों से होकर बहने वाली नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। अंबाला की टांगरी नदी भी इसी कारण देर रात से उफान पर है। नदी के आसपास रहने वाले लोगों को डर सताने लगा है, क्योंकि दो साल पहले इसी नदी में आई बाढ़ ने कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचाया था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्हें प्रशासन की ओर से समय पर कोई जानकारी नहीं दी जाती। पहले जब भी पानी का स्तर बढ़ता था, तो मुनादी (एलाउंसमेंट) की जाती थी, लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ। उनका कहना है कि अभी जलस्तर नियंत्रण में है, लेकिन अगर और पानी आया तो पानी घरों में घुस सकता है। उन्होंने कहा कि हम दो साल पहले भी नुकसान झेल चुके हैं। हमें अभी तक ये नहीं बताया गया कि पानी बढ़ रहा है। अगर ज्यादा पानी आ गया तो हम कहां जाएंगे? पहले तो मुनादी होती थी, लेकिन अब कोई सूचना नहीं मिल रही। वहीं अंबाला छावनी नगर परिषद की चेयरपर्सन स्वर्ण कौर ने बताया कि टांगरी नदी में इस समय करीब 10,000 क्यूसेक पानी आया हुआ है, जिससे खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले भी जब नदी में पानी आया था, तो लोगों को काफी नुकसान हुआ था, इसलिए डर का माहौल है। हालांकि प्रशासन ने पहले से ही नदी की खुदाई करवाई है, जिससे पानी के बहाव में मदद मिल रही है और नुकसान की आशंका कम है। चेयरपर्सन ने बताया कि लोगों को हेल्पलाइन नंबर मुहैया करा दिए गए हैं, जिन पर खतरा महसूस होने पर तुरंत संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने सभी से अलर्ट रहने की अपील भी की है।

चंडीगढ़ से उत्तर प्रदेश में पहुंचना होगा बेहद आसान, जल्द दौड़ेगी वंदेभारत स्लीपर एक्सप्रेस

हरियाणा वंदेभारत स्लीपर एक्सप्रेस को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में स्लीपर वंदेभारत एक्सप्रेस तैयार हो चुकी है। अब इसे देश के विभिन्न जोन में पटरी पर उतारने की योजना बनाई जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल में भी एक वंदे भारत एक्सप्रेस पहुंच चुकी है, जिसे चंडीगढ़ से उत्तर प्रदेश के इज्जत नगर तक चलाने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा, गोरखपुर से आगरा, लखनऊ से जयपुर, और वाराणसी से जबलपुर तक भी वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का प्रस्ताव है।

प्रस्तावित रूट और ठहराव

चंडीगढ़ इज्जत नगर वंदे भारत एक्सप्रेस

राजधानी चंडीगढ़ से चलने वाली यह ट्रेन अंबाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, कठगढ़, काशीपुर, लालकुआं स्टेशन पर ठहरेगी और फिर इज्जत नगर पहुंचेगी। यह रूट लगभग अंतिम रूप ले चुका है।

जयपुर लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस

जयपुर से यह ट्रेन बांदीकुई, भरतपुर, आगरा, टुंडला, कानपुर सेंट्रल होते हुए लखनऊ तक चलेगी।

गोरखपुर आगरा वंदे भारत एक्सप्रेस

गोरखपुर से चलने वाली यह ट्रेन बाराबांकी, मल्होर, ऐशबाग, मानकनगर, कानपुर सेंट्रल स्टेशन से होते हुए आगरा पहुंचेगी।

वाराणसी जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

यह ट्रेन वाराणसी से चलकर प्रयागराज, मानिकपुर होते हुए जबलपुर तक दौड़ेगी।

हरियाणा रोडवेज का बस चालक गिरफ्तार, पुलिस को बस के पेंट से हुआ शक

गन्नौर : सोनीपत जिले के गन्नौर में करीब 10 महीने पहले बुलेट सवार 2 लोगों की अज्ञात वाहन की टक्कर के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने जांच के आधार पर रोडवेज बस चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान महेंद्रगढ़ जिले के गांव काटी निवासी तोख राज के रूप में हुई है।

गन्नौर एसीपी ऋषिकांत ने जानकारी देते हुए बताया कि सोनीपत के ठल-44 पर बड़ी थाना क्षेत्र में 20 अक्तूबर 2024 को पानीपत जिले के रहने वाले 2 दोस्त प्रवीण और दीपक रात 12 बजे अपनी बुलेट पर जा रहे थे। दोनों फ्लिपकार्ट में काम करते थे। जब वह जा रहे थे तो काली माता मंदिर के पास उनकी बुलेट को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अज्ञात वाहन चालक गाड़ी के साथ फरार हो गया।

बस के पेंट से हुआ शक

एसीपी ने बताया कि इस हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई थी। मृतक प्रवीण के भाई दीपक की शिकायत पर बड़ी थाना में अज्ञात चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि हादसे के दौरान एक कांच का टुकड़ा मिला था। सीसीटीवी से पता चला कि उस समय करीब 10 रोडवेज बसे वहां से गुजरी थी। सभी को चेक करने पर बस के पेंट पर शक हुआ। वैसा ही पेंट बुलेट पर भी लगा हुआ था। उन्होंने बताया कि पेंट को लैब में भेजा गया, जहां उस बस के साथ मैच हो गया। बुलेट को टक्कर मारने वाली रोडवेज बस रेवाड़ी डिपो की है। पुलिस से आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

जारी होगी हरियाणा सीईटी परीक्षा का रिजल्ट! एक मिनट में ऐसे करें चेक

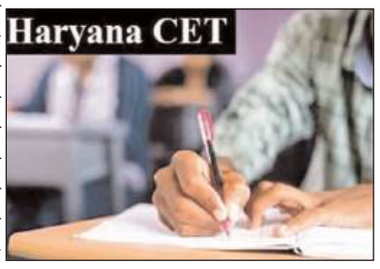

हरियाणा : हरियाणा में ग्रुप सी पदों के लिए 26 और 27 जुलाई 2025 को आयोजित हुई सीईटी परीक्षा का परिणाम जल्द ही घोषित किया जाएगा। यह परिणाम हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (HSSC) की आधिकारिक वेबसाइट hssc.gov.in पर उपलब्ध होगा। जिन उम्मीदवारों ने इस परीक्षा में भाग लिया है, वे परिणाम जारी होने के बाद उसी वेबसाइट पर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। परिणाम के साथ-साथ कटऑफ और अन्य महत्वपूर्ण अपडेट भी इसी वेबसाइट पर साझा किए जाएंगे।

परिणाम कब होगा जारी?

26 और 27 जुलाई को हुई हरियाणा सीईटी परीक्षा का परिणाम अगस्त 2025 के अंतिम सप्ताह में जारी होने की संभावना है। इस परीक्षा में शामिल सभी उम्मीदवार अपना रिजल्ट देख सकेंगे। हरियाणा सीईटी परीक्षा एक अर्हक परीक्षा है, जो आगे की लिखित परीक्षा या कौशल परीक्षा के लिए उम्मीदवारों की पात्रता तय करती है।

परिणाम कैसे चेक करें?

रिजल्ट जारी होने के बाद नीचे दिए गए चरणों का पालन करें:

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट hssc.gov.in पर जाएं।

वेबसाइट के होम पेज पर 'Final Result' सेक्शन खोजें।

वहां HSSC CET Result लिंक पर क्लिक करें।

खुलने वाली विंडो में अपने आवश्यक क्रेडेंशियल दर्ज करें और सबमिट करें।

आपका HSSC CET रिजल्ट स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा।

रिजल्ट का प्रिंट आउट निकाल लेना न भूलें।

परीक्षा में शामिल हुए थे 12 लाख उम्मीदवार

हरियाणा CET परीक्षा 26 और 27 जुलाई 2025 को हुई थी। इस परीक्षा में लगभग 12 लाख उम्मीदवार उपस्थित थे। उम्मीदवार अब अपने परिणाम के इंतजार में हैं, जो शीघ्र ही HSSC की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।

हरियाणा में धान को चपेट में ले रहा चीन से चला ये वायरस, 550 एकड़ भूमि की फसल हो गई बर्बाद... किसान परेशान

हरियाणा: हरियाणा में धान की फसल पर एक नए वायरस का संकट मंडरा रहा है, जिसका नाम है - फिजी वायरस। यह बीमारी अब तक जिले की करीब 550 एकड़ जमीन पर फसलों को नुकसान पहुंचा चुकी है।किसानों की मेहनत और उम्मीदें दोनों ही इस वायरस की चपेट में आ गई हैं, जिससे खेतों में खड़ी धान की फसल बबार्दी की कगार पर पहुंच गई है। जिला करनाल में अब तक करीब 550 एकड़ भूमि पर इस वायरस का असर देखा गया है. कृषि विभाग हालात पर नजर बनाए हुए है, लेकिन किसानों की चिंता लगातार बढ़ रही है. करनाल के किसान ने बताया कि वायरस के कारण उनकी फसल बुरी तरह खराब हो चुकी है। कुछ किसानों को तो मजबूरी में पुरानी फसल को नष्ट कर दोबारा बीज बोना पड़ा। जहां पहले एक एकड़ से 28-30 क्विंटल धान निकलता था, अब मुश्किल से 14 क्विंटल तक ही उम्मीद बची है। यानी आधी फसल का नुकसान।किसानों ने कृषि विभाग से संपर्क किया, दवाइयों का भी इस्तेमाल किया, लेकिन कोई असर नहीं हुआड्ड हालत ये है कि अब कुछ फसलें सिर्फ इसलिए खेत में बची हैं कि जो भी दाना निकले, वही सही।

इस पूरे मामले पर करनाल के कृषि उप निदेशक वजीर सिंह ने कहा कि विभाग को कई किसानों से शिकायतें मिली हैं। विभाग की टीमें लगातार खेतों का निरीक्षण कर रही हैं. उन्होंने बताया कि यह बीमारी दक्षिणी चावल काली धारीदार बोना वायरस के कारण फैल रही है।

हरियाणा के किसान जल्दी कर लें ये काम, अंतिम तारीख से पहले फटाफट करें आवेदन

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर खरीफ फसलों का पंजीकरण कर रही है जिसकी अंतिम तिथि 31 अगस्त है। विभिन्न योजनाओं के लाभ के लिए पंजीकरण अनिवार्य है और पंजीकृत किसानों से ही फसल खरीदी जाएगी। किसान पोर्टल पर अपनी फसल का ब्योरा दर्ज कराएं जिसका भौतिक सत्यापन किया जाएगा। मंडी में बुलाने की सूचना किसानों को मैसेज द्वारा दी जाएगी। पंजीकरण के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है।

कृषि विभाग के उप निदेशक जितेंद्र कुमार ने बताया कि फसलों का पंजीकरण करवाने के लिए संबंधित किसान के पास परिवार पहचान पत्र

का होना अनिवार्य है। किसान कोई जानकारी प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-2117 पर संपर्क कर सकते हैं। फसलों का पंजीकरण

वह 31 अगस्त तक पंजीकरण करवा सकते हैं। विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसान का पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। पोर्टल पर पंजीकृत किसान से ही केवल फसल खरीदी जाएगी। ऐसे में किसान को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने व फसलों को सरकार द्वारा निर्धारित दाम पर बेचने के लिए जरूरी है कि जिला के किसान पोर्टल पर अपनी बोई गई खरीफ फसल का ब्यौरा दर्ज करा उसका पंजीकरण अवश्य करवाएं। किसान की ओर से पोर्टल पर दर्शाई गई फसल का भौतिक सत्यापन भी करवाया जाएगा। सरकार के पास सभी किसानों का ब्योरा आने के बाद उन्हें मंडी में बुलाना आसान हो जाता है।

हांसी के छोरे का आईआईएस में चयन, पत्रकारिता का अनुभव बना मजबूत नींव...किसान परिवार से आते हैं मनप्रीत सिंह

हांसी : हरियाणा सरकार में सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत मूल रूप से हांसी निवासी मनप्रीत सिंह का चयन प्रतिष्ठित भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) में हुआ है। यह परिणाम मंगलवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित किया गया। मनप्रीत सिंह की यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि क्षेत्र के लिए भी गर्व का विषय भी है।

वर्तमान में झज्जर जिले में अपनी सेवाएं दे रहे हैं मनप्रीत सिंह

मनप्रीत सिंह वर्तमान में बतौर एआईपीआरओ झज्जर जिले में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वह एक सामान्य किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता मोहन लाल छोटे किसान हैं और माता गृहिणी हैं। साधनों की सीमाओं के बावजूद उन्होंने अपने संकल्प, परिश्रम और लगन से यह

सफलता अर्जित की। मनप्रीत सिंह ने पत्रकारिता और जनसंचार में उच्च शिक्षा प्राप्त की और क्षेत्र में पत्रकार के रूप में वर्षों तक सक्रिय भूमिका निभाई। समाज के मुद्दों को उजागर करना और जनसरोकार की रिपोर्टिंग करना उनका जुनून रहा। बीते वर्ष उनका हरियाणा सरकार में सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के रूप में चयन हुआ था व अगले ही वर्ष भारतीय सूचना सेवा में चयनित होकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। नेक नियत से मेहनत करने से जीवन में रास्ते अवश्य खुलते हैं- मनप्रीत अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए मनप्रीत ने कहा कि यह सिर्फ मेरी नहीं, मेरे माता-पिता, परिवार, शिक्षकों और उन सभी का सपना था जिन्होंने मुझ पर विश्वास रखा। मेरा यह मानना है कि जीवन में निरंतर हमें मंजिल की फिक्र किए बगैर मेहनत करनी चाहिए, नेक नियत से मेहनत करने से जीवन में रास्ते अवश्य खुलते हैं। आईआईएस में चयन मेरे लिए सिर्फ करियर की उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने का बेहतरीन अवसर है। युवाओं के लिए प्रेरणा

मनप्रीत सिंह की यह उपलब्धि उन सभी युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों में रहते हुए भी बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं। खासकर ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को उनका सफर यह सीखाता है कि आत्मविश्वास के लिए साधनों से ज्यादा जरूरत आत्मविश्वास, अनुशासन और समर्पण की होती है। चाचा व ताऊ से मिली प्रेरणाउन्होंने बताया कि भारत सरकार की नौकरी में चयनित होने की प्रेरणा परिवार से ही मिली। उनके चाचा सुरेंद्र सिंह इंटेलिजेंस ब्यूरो में अधिकारी हैं और ताऊ निरंजन सिंह इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) में बड़े अधिकारी रहे हैं। उन्होंने बताया कि चाचा व ताऊ से हमेशा भारत सरकार की नौकरी हासिल करने की प्रेरणा मिलती थी।

हरियाणा में धर्म छिपाकर शादी की तो भुगतना होगा ये अंजाम, आदेश हुए जारी

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है। धर्मांतरण से जुड़ी घटनाओं पर सख्ती बढ़ाते हुए सरकार ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई व्यक्ति शादी के लिए अपना धर्म छिपाता है, तो ऐसा विवाह को 'अमान्य' माना जाएगा। ऐसे विवाह से जन्मी संतान को कानूनी रूप से वैध माना जाएगा और उसे संपत्ति में उत्तराधिकार का पूरा हिस्सा मिलेगा। वहीं यदि कोई व्यक्ति धर्म छिपाकर शादी करता है, तो उसे 3 से 10 साल की जेल होगी तथा कम से कम 3 लाख रुपये जुमार्ना लगेगा। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने सभी जिलों के उपायुक्तों, पुलिस आयुक्तों वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को 'हरियाणा विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन निवारण अधिनियम एवं नियम 2022' का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने साफ तौर पर स्पष्ट किया है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाना नहीं, बल्कि शादी के नाम पर धोखे और जबरदस्ती धर्मांतरण जैसे मामलों को रोकना है।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा घग्गर नदी का जलस्तर, प्रशासन ने नम्बर जारी कर लोगों को दी ये सलाह

पंचकूला : हरियाणा में आज हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों में और पंचकूला में हो रही लगातार बारिश के कारण घग्गर नदी का जलस्तर बढ़ गया है। घग्गर नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। प्रशासन ने लोगों को नदी से दूर रहने का अलर्ट जारी करते हुए फ्लड कंट्रोल रूम का नंबर- 0172 2562135 भी जारी कर दिया है। इसके अलावा मोरनी हिल्स से गुजरती कोटी नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। इसमें हिमाचल में हो रही बारिश का पानी आ रहा है। घग्गर नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते पंचकूला जिला उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने अलर्ट जारी किया है। पंचकूला प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है कि हिमाचल व हरियाणा में बीती रात से हो रही भारी बारिश के कारण घग्गर नदी का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि कृप्या नदी, नालों व जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। किसी भी नदी या नाले के किनारे या उस पर बने पुल पर खड़े होकर पानी देखने से बचें। यह खतरनाक हो सकता है। वहीं पंचकूला जिले के मोरनी हिल्स क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रायपुर रानी से मोरनी की ओर जाने वाला प्रमुख मार्ग पहाड़ों में भूस्खलन के कारण बाधित हो गया है। कई स्थानों पर मलबा सड़कों पर आ गिरा है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है

शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की।

गिल ने श्रृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने श्रृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए।'

आईसीसी ने कहा, 'उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।' आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर 'सर्वकालिक महान' विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

आईसीसी ने कहा, 'मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं।' आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, 'उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए और 26.33 की औसत से 12

विकेट लिए। उन्होंने दबाव की परिस्थितियों में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया।'

संजू सैमसन छोड़ेंगे राजस्थान रॉयल्स का साथ? केकेआर/सीएसके में शामिल होने की सच्चाई आई सामने

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संजू सैमसन को लेकर कहा जा रहा था कि, वह अगले आईपीएल 2026 सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का थामन थाम सकते हैं। हालांकि, अब कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, संजू इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स का साथ नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, कहा जा रहा था कि, संजू सैमसन आईपीएल के नए सीजन के लिए सीएसके या केकेआर के साथ जा सकते हैं। लेकिन अब टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से कहा है कि, राजस्थान रॉयल्स ने फिलहाल सैमसन या अपने किसी भी अन्य खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करने का फैसला किया है। सैमसन रॉयल्स टीम का अभिन्न अंग हैं और टीम के निर्विवाद कप्तान भी हैं।

30 वर्षीय संजू सैमसन का आरआर के साथ एक दशक से भी पुराना रिश्ता है। इस खिलाड़ी ने 2013 में पहली बार राजस्थान का हाथ थामा था और 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर तब से वह आरआर के साथ हैं।

वहीं आईपीएल 2025 में सैमसन ने 9 पारियों में 35.62 की औसत और 140.39 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए। इस बीच उनके बल्ले से 1 अर्धशतक भी निकला था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 16 मैच में 531 रन बनाए थे।

एशिया कप 2025 से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी 'अग्नि' परिक्षा

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए BCCI अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार BCCI अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें। उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है।

केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद BCCI कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

'हम जानते हैं कि हमारी टीम में सुधार की गुंजाइश है' : ब्रेंडन मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का कहना है कि उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां इंग्लैंड को एशेज से पहले सुधार करना होगा, जब भारत के खिलाफ एक रोमांचक सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई और मुख्य कोच का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी।

भारत ने इस एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के 25वें और आखिरी दिन 56 मिनट के शानदार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6 रन की जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे कम अंतर की जीत थी। इसका मतलब यह था कि इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत से चूक गया। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज जीत दर्ज नहीं की है। चूंकि इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सफ़ेद गेंद की सीरीज में उतरेगा, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने का समय है।

साल की शुरुआत से ही कोच के रूप में मैकुलम दोनों चुनौतियों में शामिल रहेंगे। लेकिन उनका तात्कालिक ध्यान, एक बार सब कुछ शांत हो जाने के बाद, पिछले सात हफ्तों पर रहेगा कि क्या काम आया और क्या नहीं। नवंबर में पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से पहले तैयारी करना उनका प्राथमिक

लक्ष्य होगा। मैकुलम ने कहा, 'हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, ताकि जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास एक बड़ा मौक़ा हो। हम जानते हैं कि हमारे पास सुधार की कुछ गुंजाइश है।'

उन्होंने कहा, 'जब आप खिलाड़ियों को दबाव में अपनी सीमाओं से परे जाकर प्रदर्शन करते हुए देखते हैं, तो आप हमेशा कुछ न कुछ सीखते हैं। बहुत सी चीजें हैं जिन पर हमें ध्यान देना है क्योंकि हम इसे समझने और उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए समय देंगे जिनमें हम अपनी अगली चुनौती के लिए सुधार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, मुझे लड़कों और उनके प्रयासों पर बहुत गर्व है। यह एक प्रतिस्पर्धी सीरीज रही है, जिसमें, कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए। यह सीरीज़ ड्रॉ हो चुकी है। आप निराश हैं लेकिन आपको उनके प्रयासों पर गर्व है।' स्कोरलाइन 2023 के घरेलू एशेज की तरह है, और हालांकि इंग्लैंड ने दो साल पहले ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की थी, लेकिन इस गर्मी में भारत के खिलाफ कुछ समानताएं थीं, जिनमें से कुछ ऐसे पल थे जिन्हें मेजबान टीम ने जाने दिया। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ, और द ओवल में भी, छूटे हुए कैचों की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। लेकिन शायद सबसे दर्दनाक तब था जब 374 रनों का पीछा करते हुए जो रूट और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड को 301 पर 3 तक पहुंचा दिया था, जिसके बाद 66 रनों के भीतर सात विकेट गिर गए।

मैकुलम छूटे हुए मौकों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहते थे, जिसे वह एक उच्च-स्तर की टीम के खिलाफ खेलने की कीमत मानते हैं। इंग्लैंड ने भारत की दूसरी पारी के 396 रनों में छह कैच छोड़े, जिसकी कीमत उन्हें 152 रन पड़ी। उन्होंने कहा, 'हमने इस मैच में बहुत अच्छी कैचिंग नहीं की लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने बहुत अच्छी कैचिंग की है। कभी-कभी एक कैच छूटने के बाद और ज्यादा कैच छूटते चले जाते हैं। अगर हमने अपने कैच पकड़े होते तो शायद हम नतीजे के दूसरी तरफ खड़े होते। यही जिंदगी है, खेल में बहुत सी छोटी-छोटी चीजें हैं जिन्हें हम चुन सकते हैं और जिनका बहुत बड़ा प्रभाव होता है। हम एक अच्छी फील्डिंग यूनिट हैं और इस टेस्ट में हमारा प्रदर्शन थोड़ा औसत था।'

उन्होंने कहा, 'हमने उन पर सब कुछ झोंक दिया। यह इस बात का प्रमाण था कि वे एक टीम के रूप में कितने मजबूत हैं। हम जानते थे कि जब वे इंग्लैंड में आएंगे तो यह एक बहुत ही कठिन चुनौती होगी और हमें वह नतीजा पाने के लिए शानदार क्रिकेट खेलना होगा जो हम चाहते थे। कुल मिलाकर मुझे लगा कि यह हिस्सा बनने के लिए एक पूरी तरह से अविश्वसनीय सीरीज थी। इसमें टकराव था, इसमें ठहराव था, इसमें जुनून था और दबाव में कुछ औसत से कम प्रदर्शन भी थे।' मैकुलम ने कहा, 'इस टेस्ट में भारत जिस तरह से अंत तक खेला, मोहम्मद सिराज में अपने 30वें ओवर में 90 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से गेंदबाजी करने के लिए एक शेर का दिल दिखाया, जो उनके पांचवें टेस्ट मैच में एक अविश्वसनीय प्रयास था।''

हैरी ब्रूक ने प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने पर असहमति जताई, यह सम्मान इस खिलाड़ी को मिलना चाहिए था

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर द्वारा उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए जो रूट को मिलना चाहिए था। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त होने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने विरोधी टीम से प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए एक खिलाड़ी चुना। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चुना, वहीं गंभीर ने ब्रूक को इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी चुना। ब्रूक ने अंतिम टेस्ट के चौथे दिन 98 गेंदों पर 111 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिससे इंग्लैंड रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने की कगार पर पहुंच गया, लेकिन मेहमान टीम 66 रन पर सात विकेट गंवाकर 6 रन से मैच हार गई। ब्रूक ने कहा, 'मैंने रूटी (जो रूट) जितने रन नहीं बनाए, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मैन ऑफ द सीरीज और फिर से मैन ऑफ द समर चुना जाना चाहिए, जैसा कि वे कई सालों से करते आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक बेहतरीन स्थिति में हैं। जाहिर है, यह एक शानदार सीरीज रही है। 2-2, सच कहूं तो मैंने नहीं सोचा था कि यह इस तरह होगी।' ब्रूक ने पांच मैचों की सीरीज में 53.44 की औसत से 481 रन बनाए। वहीं रूट ने 67.12 की औसत से 537 रन बनाए हैं।

शुभमन, सिराज सहित पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया : गंभीर

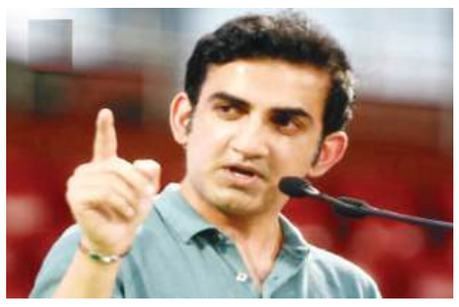

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौट आई है। दिल्ली पहुंचने पर टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की। इसके अलावा उन्होंने का कि इस दौरे में सभी ने अच्छा खेला इसलिए ये कहना संभव नहीं है कि किस खिलाड़ी ने सबसे अच्छा खेला। इस दौरे में शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कराई। शुभमन ने इस दौरे में 700 से अधिक रन बनाये। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि शुभमन ने शानदार काम किया है, मैं यही कह सकता हूं और वह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हम वाकई बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों ने पिछले दो महीनों से पांचों टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। वे हर तरह की तारीफ के अधिककारी हैं।गंभीर ने साथ ही कहा कि किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना मुश्किल है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन शानदार रहा है पर केवल उन्होंने और शुभमन ने ही नहीं, बल्कि पूरी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि पिछले दो महीनों में सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सिराज ने इस दौरे पर कुल 23 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने तीन मैचों में ही 14 विकेट ले लिए। इसके अलावा केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद पहुंचे, इंग्लैंड सीरीज के हीरो का स्वागत करने उमड़े प्रशंसक

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ हुई कड़ी टक्कर वाली टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को अपने गृहनगर हैदराबाद पहुंचे। हैदराबाद पहुंचने पर प्रशंसकों ने सिराज का जोरदार स्वागत किया। सिराज पांच मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 23 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने सभी पांच मैच खेले और 185.3 ओवर फेंके।

सिराज टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ लंदन से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे और फिर अपने गृहनगर रवाना हो गए। उन्होंने काले रंग के कैजुअल कपड़े पहने हुए थे और प्रशंसकों के एक समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए अनुरोध किए गए, लेकिन सिराज जल्दी से एक कार में सवार होकर हैदराबाद के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने के लिए घरेलू टर्मिनल के लिए

रवाना हो गए, जहां एक बार फिर प्रशंसकों के एक समूह ने उनका स्वागत किया।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने अभी तक उनसे बात नहीं की है। लेकिन हम निश्चित रूप से उनके लिए कुछ (सम्मान) योजना बनाएंगे, क्योंकि वह कुछ समय के लिए शहर में रह सकते हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया।'

सिराज का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन ओवल में अंतिम टेस्ट के 5वें दिन देखने को मिला, जब उनके साहस की बदौलत 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 367 रनों पर समेट दिया। सिराज ने पारी में 5 विकेट लेकर मैच में कुल 9 विकेट पूरे किए। भारत के टेस्ट इतिहास की सबसे कम रन से जीत (छह रन) के बाद मेहमान टीम ने श्रृंखला में 2-2 से बेहद सराहनीय ड्रॉ हासिल किया।

भारत के कप्तान शुभमन गिल, बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज के योगदान से खुश थे, जिन्हें पूर्व-निर्धारित कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुसार ओवल टेस्ट से आराम दिया गया था। गिल ने पांचवें टेस्ट के बाद कहा, 'वह (सिराज) एक कप्तान का सपना हैं, हर गेंद, हर स्पैल में उन्होंने पूरी ताकत झोंकी और टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया।'

सिराज ने कहा कि उन्हें हमेशा ओवल में आखिरी दिन अपनी टीम को जीत दिलाने का भरोसा था। मेहमान टीम को महज 35 रनों का बचाव करते हुए चार विकेट लेने थे। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से लगता है कि मैं किसी भी मोड़ पर मैच जीत सकता हूं, और आज सुबह भी कुछ अलग नहीं था।'

पूर्व क्रिकेट कोच यौन दुराचार के आरोप में निलंबित, महिलाओं को भेजता था गलत तस्वीरें

लंदन। एक अज्ञात पूर्व काउंटी क्रिकेट कोच को यौन दुराचार के आरोप स्वीकार करने के बाद 9 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। स्वतंत्र क्रिकेट अनुशासन पैनल ने पाया कि उस व्यक्ति ने 2023 और 2024 की गर्मियों में स्टाफ की दो महिला जूनियर सदस्यों को यौन रूप से स्पष्ट तस्वीरें भेजी थीं। उसने पेशेवर आचरण नियमों के पांच उल्लंघनों को स्वीकार किया, जिसमें दो सहकर्मियों को अनचाही यौन तस्वीरें भेजना भी शामिल है। पैनल ने 'असाधारण' स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों और नाम सार्वजनिक करने पर 'गंभीर नुकसान' के खतरे के कारण व्यक्ति की पहचान बताने से इनकार कर दिया। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी महिला 'प्रतिवादी से बहुत छोटी थी और वह क्रिकेट क्लब में उससे कहीं अधिक वरिष्ठ पद पर था।' उसके व्यवहार के कारण उसे बर्खास्त कर दिया गया और तब से वह खेल में कार्यरत नहीं है। पैनल को दिए गए आवेदनों में यह उल्लेख किया गया कि कोच ने 'अपने दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी है और पश्चाताप व्यक्त किया है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने स्वेच्छा से एक शिक्षा पाठ्यक्रम लिया था और 'अवांछित स्पष्ट संदेशों के प्रभाव को समझने के लिए एक पूर्व पेशेवर खिलाड़ी के साथ काम किया था।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'उन्हें उम्मीद थी कि अब वह एक बेहतर इंसान बन रहे हैं। उन्हें कार्यस्थल की सीमाओं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और यौन उत्पीड़न के बारे में बेहतर समझ थी।' यह प्रतिबंध आरोपों के दर्ज होने से छह महीने पहले लगाया गया है, साथ ही तीन महीने का निलंबन और एक अनिवार्य शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करना होगा। क्रिकेट नियामक के प्रबंध निदेशक क्रिस हावर्ड ने कहा, 'इस तरह का आचरण अस्वीकार्य है। जहां ऐसे मामले सामने आते हैं, उनकी जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। खेल से यौन दुर्व्यवहार को हटाना क्रिकेट नियामक की प्राथमिकता है। हम मानते हैं कि प्रभावित लोगों को आगे आने के लिए बहुत साहस की आवश्यकता होती है। हम प्रतिबद्ध हैं कि जब भी हमारे पास कोई आरोप लगाया जाता है, चाहे वह वर्तमान में हो या अतीत में, उसकी गहन और शीघ्रता से जांच की जाए।'

आने वाले समय में बुमराह को एक ही प्रारुप में उतार सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले समय में केवल सीमित ओवरों में ही खेलते दिख सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह को फिट बनाये रखने के लिए ही उन्हें इंग्लैंड दौर में तीन टेस्ट मैचों में ही उतारा था। वहीं कई दिग्गजों का मानना है कि बुमराह के महत्व हो देखते हुए प्रबंधन और बोर्ड को तय करना होगा कि उनका बेहतर उपयोग किया प्रकार किया जाये। जिस प्रकार से इंग्लैंड दौरे में मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छा प्रदर्शन किया उससे तय है कि अब ये बुमराह के बिना भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं, ऐसे में अब एशिया कप, टी-20 और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए बुमराह को तैयार रखने की जरुरत है। आने वाले समय में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है पर इसमें बुमराह की अधिक जरुरत नहीं है। ऐसे में उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए बचाकर रखा जाएगा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में ये संभव है कि बुमराह को अब आने वाले समय में सफेद गेंद प्रारुप ही ही अधिक ध्यान देने कहा जाये। अगले दो साल में उनके खेलने के लिए पर्याप्त टी-20 और एकदिवसीय मैचों के साथ ही आईपीएल भी है। ऐसे में सभी प्रारूपों में कुछ मैच खेलने की जगह उन्हें एक ही प्रारूप में सभी मैच खेलने देना चाहिये जिससे वह तरोताजा बने रहेंगे जिसका लाभ टीम को मिलेगा।'

'सिराज को वह श्रेय नहीं मिलता जिसके वह हकदार हैं', सचिन तेंदुलकर ने तेज गेंदबाज की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें मोहम्मद सिराज का रवैया बहुत पसंद है, और साथ ही कहा कि इस तेज गेंदबाज को वह श्रेय नहीं मिलता जिसका वह हकदार है। ओवल के पांचवें दिन सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली।

इंग्लैंड के पास सिराज की सटीकता का कोई जवाब नहीं था क्योंकि उन्होंने पांचवें दिन 25 गेंदों में केवल 9 रन देकर तीन विकेट चटकाकर निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। सिराज ने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़कर भारत की जीत पक्की कर दी और भारतीय क्रिकेट की समृद्ध परंपरा में शामिल हो गए।

तेंदुलकर ना कहा, 'अविश्वसनीय। शानदार दृष्टिकोण। मुझे उनका रवैया बहुत पसंद है। मुझे उनके पैरों में स्प्रिंग बहुत पसंद है। एक तेज गेंदबाज का इस तरह लगातार आपके सामने रहना, किसी भी बल्लेबाज को पसंद नहीं आएगा। और आखिरी दिन अंत तक उन्होंने जो दृष्टिकोण बनाए रखा; मैं कमेंटेटरों को यह कहते हुए भी सुन सकता था कि उन्होंने सीरीज में 1,000 से ज़्यादा गेंदें फेंकने के बाद आखिरी दिन लगभग 90 मील प्रति घंटे (145 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी की। यह उनके साहस और बड़े दिल को दर्शाता है।'

सिराज 32.43 की औसत से 23 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे, उन्होंने 1113 गेंदें फेंकी। तेंदुलकर ने आगे कहा, 'आखिरी दिन उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की, वह काबिले तारीफ थी और उन्होंने हमेशा अहम भूमिका निभाई है। जब भी हमें उनकी जरूरत पड़ी, जब भी हम चाहते थे कि वे धमाकेदार प्रदर्शन करें, उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वह पहले भी लगातार ऐसा कर पाए हैं, और इस सीरीज में भी यही हुआ। जिस तरह से उन्होंने इतने विकेट लिए और अच्छा प्रदर्शन किया, उससे उन्हें वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं।'

सिराज उस सीरीज में सबसे बेहतरीन गेंदबाज बने, जिसमें जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के कारण केवल तीन मैच ही खेल पाए थे, खासकर इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में पीठ में चोट लगने के बाद। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में बुमराह ने 14 विकेट लिए, जिनमें दो बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

नाओमी ओसाका का बेहतरीन प्रदर्शन, स्वितोलिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोरंटो। दुनिया की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी नाओमी ओसाका पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 एलीना स्वितोलिना को हराकर कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ओसाका ने इस दौरान स्वितोलिना को 6-2. 6-2 से हराकर WTA 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस जीत के साथ ही उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। अब वह WTA रैंकिंग में 51 से ठीक 29वें स्थान पर आ गई हैं, और टाइटल जीतने पर नंबर 21 तक जा सकती है। बता दें कि, आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में डब्ल्यूटीए टूर का खिताब जीतने वाली ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और क्वार्टरफाइनल मुकाबला सिर्फ एक घंटे आठ मिनट में जीत लिया। वहीं यह ओसाका की स्वितोलिना के खिलाफ आठ मुकाबलों में पांचवीं जीत थी और इस जीत के साथ 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची है। वहीं अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। जापान की मूल निवासी ये खिलाड़ी अपने करियर का आठवां और 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी।

आतंकवादियों से लोहा लेते दिखे जॉन अब्राहम, तेहरान का ट्रेलर रिलीज

अगस्त के महीने में कई दिलचस्प फिल्में थिएटर्स में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, ओटीटी पर भी बहार रहेगी। इस महीने ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में जॉन अब्राहम की तेहरान का नाम भी शामिल है। इसी फिल्म का 01 अगस्त को ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। फिल्म तेहरान 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसे जी5 पर देखा जा सकेगा। जी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। जॉन अब्राहम आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम करते दिख रहे हैं। वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता एक्शन अवतार में दिख रहे हैं।

फिल्म तेहरान को सच्ची घटना पर आधारित बताया जा रहा है। ट्रेलर की शुरुआत में आवाज आती है, ये इंटरनेशनल मैटर है, तीन देशों में ब्लास्ट हुआ है। ये आतंकवादियों का काम है और हमें इन्हें बेनकाब करना होगा। कहां है राजीव कुमार? इसके बाद जॉन अब्राहम की झलक दिखाई देती है। पुलिस ऑफिसर वाले तेवर के साथ वे एक्शन अवतार में नजर आए हैं।

ट्रेलर में जॉन के कई दमदार डायलॉग ट्रेलर में सुनाई देते हैं। एक जगह जॉन कहते हैं, जब एक सोल्जर दूसरे सोल्जर को मारता है तो बात देश को होती है, लेकिन जब एक आतंकवादी किसी मासूम की जान लेता है तो बात बहुत पर्सनल हो जाती है। एक अन्य डायलॉग है, जब तक बम लगाने वाले हाथ काट नहीं दिए जाते, तब तक इंडिया को कोई सीरियसली नहीं लेगा। फिल्म का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है। इसे दिनेश विजन ने प्रोड्यूसर किया है। ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। वहीं कुछ दर्शक लिख रहे हैं, यह फिल्म थिएटर्स में रिलीज होनी चाहिए थी।

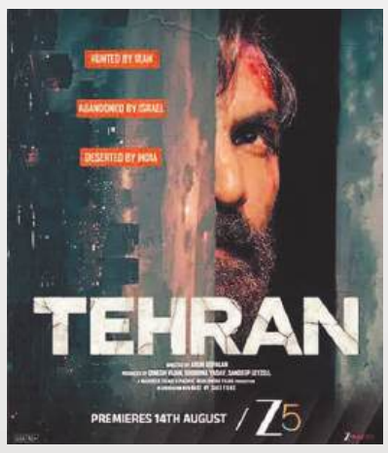

नेशनल अवार्ड मिलने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ

प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी प्रशंसित फिल्म कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री को इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब दिलाकर अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर लिया है। अपने बहुमुखी अभिनय और अनोखी पटकथाओं को चुनने की कला के लिए जानी जाने वाली सान्या एक बार फिर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनी हैं जो अपनी विषयवस्तु और कलात्मक प्रस्तुति के लिए सराही गई हैं। सान्या मल्होत्रा की व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री, जिसे इसकी ताजगी भरी कहानी, सामाजिक प्रासंगिकता और अनोखे हास्य के लिए प्रशंसित है, फिल्म में उन्होंने एक जुझारू पुलिस अफसर की भूमिका निभाई, जो दो कीमती कटहलों की चोरी की जांच करती है। इस बड़ी जीत के बाद सान्या ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा- मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ कि कटहल को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह कहानी मेरे लिए बेहद खास रही है, और मैं गुनीत मोंगा, अचिन जैन और पूरी टीम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इतना अनोखा किरदार दिया। यह फिल्म व्यंग्य और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज की महत्वपूर्ण सच्चाइयों को दर्शाती है, और मुझे खुशी है कि यह दर्शकों के साथ जुड़ पाई। इस सम्मान से मुझे और भी अधिक सार्थक सिनेमा चुनने की प्रेरणा मिलती है। जूरी और कटहल को समर्थन देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद।

इस खुशी में और इज़ाफ़ा करते हुए, विक्की कौशल के साथ सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म सैम बहादुर को कई पुरस्कारों से नवाज़ा गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ मेकअप, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और राष्ट्रीय, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म शामिल हैं। भारत के महान फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर आधारित इस बायोपिक को उसकी प्रामाणिकता और देशभक्ति व नेतृत्व की प्रेरणादायक कहानी के लिए खूब सराहा गया। सान्या की सफलता यहीं नहीं रुकी — शाहरुख़ ख़ान अभिनीत फिल्म जवान, जिसमें सान्या एक अहम भूमिका में थीं, ने भी शीर्ष सम्मान अर्जित किया, जो उनकी उस सिनेमा से जुड़ाव को दर्शाता है जो न केवल प्रभावशाली बल्कि व्यावसायिक रूप से भी सफल हैं। सान्या मल्होत्रा के लिए ऐसे आलोचनात्मक और व्यावसायिक रूप से सफल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना यह साबित करता है कि वे एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो हर किरदार में गहराई और विश्वसनीयता लाती हैं। कटहल ने उनके हास्य अभिनय और पात्र-प्रधान भूमिकाओं की प्रतिभा को उजागर किया है, वहीं सैम बहादुर और जवान जैसी फिल्मों ने उन्हें समुच्चय आधारित कहानियों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया है। सान्या अब बॉलीवुड की उन चुनिंदा और भरोसेमंद कलाकारों में शुमार हो चुकी हैं, जो दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीतती हैं।

सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख गदगद

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जो अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपनी फिल्म सैम बहादुर को मिली सफलता से बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं - राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन। इस बड़ी उपलब्धि पर फातिमा ने पूरी टीम को बधाई दी और इस यादगार सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। फातिमा ने एक भावुक बयान में कहा, सैम बहादुर की टीम को तीन शानदार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर ढेरों बधाई!! यह वास्तव में मेरे लिए एक गर्व का क्षण है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर और श्रीमती इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने फिल्म की निर्देशक मेघना गुलज़ार की भी सराहना करते हुए कहा, मेघना गुलज़ार के साथ काम करना एक सपना सच होने जैसा था, और यह मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित सैम बहादुर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फातिमा ने इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। उनके सशक्त और विश्वसनीय अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली थी, जिसने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया।

पाकिस्तान से जुड़े इवेंट में शामिल होंगे कार्तिक आर्यन? टीम ने दी सफाई

हाल ही में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कार्तिक आर्यन को एक ऑफिशियल लेटर लिखा, जिसमें बताया कि वह ह्यूस्टन में होने वाले एक इवेंट में भाग ले रहे हैं, जिसको करवाने वाला शख्स एक पाकिस्तानी है। इस बात का पता चलने पर कार्तिक आर्यन की टीम ने अब सफाई दी है। कार्तिक आर्यन की टीम ने सफाई देते हुए जवाब दिया है, 'कार्तिक आर्यन किसी भी तरह से उस इवेंट से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने इवेंट में भाग लेने की कभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। हमने इवेंट कराने वाले लोगों से कॉन्टैक्ट किया है और कार्तिक का नाम, तस्वीरें प्रमोशन मटीरियल से हटाने का अनुरोध किया है।'

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने एक लेटर कार्तिक आर्यन को लिखा। इसमें बताया गया कि कार्तिक आर्यन 15 अगस्त 2025 को ह्यूस्टन, अमेरिका में आयोजित होने वाले आजादी के एक उत्सव भाग ले रहे हैं। कार्तिक आर्यन इस इवेंट में चीफ गेस्ट हैं। लेकिन यह इवेंट एक पाकिस्तानी रेस्तरां मालिक ने आयोजित किया है। फेडरेशन का यह भी मानना है कि इवेंट कराने वाले लोगों को लेकर कार्तिक आर्यन को जानकारी नहीं रही होगी। ऐसे में कार्तिक आर्यन से रिक्वेस्ट की गई कि वह इस इवेंट में शामिल ना हों।

इन दिनों कार्तिक आर्यन एक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं, इसे करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। कार्तिक, करण जौहर के प्रोडक्शन की एक और फिल्म कर रहे हैं, जिसमें वह इच्छाधारी नाग बनेंगे। इस फिल्म का नाम 'नागजिला' होगा।

एल्विश यादव के हाथ लगा एक और रियलिटी शो

इस वक्त एल्विश यादव के करियर के सितारे बुलंदियों पर हैं। वह जिस भी चीज में हाथ डाल रहे हैं, वहां से विनर बनकर निकल रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 और रोडीज के बाद एल्विश यादव ने लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब वह एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। एल्विश यादव जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है। एल्विश ने शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया कि एल्विश यादव काफी समय से एक्टिंग की दुनिया में उतरने का मन बना रहे थे, और यह प्रोजेक्ट उनके विजन के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। एल्विश अभी भोपाल में शूटिंग कर रहे हैं, और बेहद एक्साइटेड हैं।

एल्विश यादव ने लगातार जीते ये रियलिटी शोज, बढ़ती गई पॉपुलैरिटी

एल्विश यादव एक पॉपुलर यूट्यूबर रहे हैं, और वहीं से उन्हें बिग बॉस ओटीटी में जाने का मौका मिला था। उन्होंने बतौर वाइल्ड कार्ड शो में एंट्री की थी, और विनर बनकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद एल्विश यादव की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई। उन्होंने कई म्यूजिक वीडियोज किए और MTV Roadies XX में नजर आए। वह इस शो के भी विनर बने, और हाल ही करण कुंद्रा के साथ लाफ्टर शेफ्स- एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड जीता।

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ, लाफ्टर शेफ्स 2 से इनकम

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ की बात करें, तो वह यूट्यूब के अलावा म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शोज जीतकर मोटी कमाई कर रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स 2 में एल्विश को हर एपिसोड के लिए 2 लाख रुपये मिले। वह पूरे 44 एपिसोड्स में नजर आए। इस हिसाब से देखें तो एल्विश ने इस शो से 88 लाख रुपये कमाए। इसके अलावा उन्होंने और करण कुंद्रा ने प्राइज मनी भी जीती, जिसका खुलासा नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव की नेट वर्थ 50 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

एल्विश यादव को मिला एक और शो, जियो हॉटस्टार पर शुरू

एल्विश यादव का करियर एकदम चरम पर है। उनके हाथ एक और नया रियलिटी शो लगा है, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जा रहा है। इसका नाम है अड्डा एक्स्ट्रीम बैटल। वह इसे होस्ट कर रहे हैं और हाल ही इसका प्रोमो भी रिलीज किया गया, जिसे एल्विश यादव ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

छोरियां चली गांव के जरिए आज की पीढ़ी को दिखाना चाहता हूं देश की खूबसूरती

अभिनेता और होस्ट रणविजय सिंह अपकमिंग रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस शो के जरिए वह वर्तमान पीढ़ी, खासकर अपने बच्चों को भारत के सादे जीवन और गांवों की खूबसूरती से रूबरू कराना चाहते हैं। रणविजय के लिए यह शो बेहद खास है, क्योंकि उनकी बचपन की यादें पंजाब के गांव से जुड़ी हैं। रणविजय ने बताया, बचपन में मैं हर गर्मी की छुट्टियों में अपने दादा-दादी के पास गांव जाता था। मुर्गे की आवाज के साथ सुबह उठना, खेतों में नंगे पांव दौड़ना, हैंडपंप से पानी निकालना, गाय के तबेले से दूध लाना और खेतों में मदद करना ये सब मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इन छोटी-छोटी चीजों को परिवार के सामने गर्व से दिखाना उन्हें अच्छा लगता था। उन्होंने आगे कहा, आज की पीढ़ी को ऐसी जिंदगी का अनुभव नहीं मिलता। मैं चाहता हूं कि छोरियां चली गांव के जरिए मेरे बच्चे और युवा पीढ़ी असली भारत को देखें, जहां लोग सादगी से, लेकिन शांति से जीते हैं। रणविजय का मानना है कि यह शो न केवल मनोरंजन करेगा, बल्कि दर्शकों को गांव की सादगी और मूल्यों से जोड़ेगा। वह यह भी चाहते हैं कि उनके बच्चे पानी और भोजन की कीमत समझें और अपने हाथों से काम करने की खुशी को जानें।

छोरियां चली गांव एक अनोखा नॉन-फिक्शन शो है। इस शो में 11 आत्मनिर्भर लड़कियों को 60 दिनों के लिए एक गांव में भेजा जाएगा। वहां वे गांव के रहन-सहन, तौर-तरीकों और परंपराओं के बीच रहेंगी। ये लड़कियां गांव के माहौल में खुद को ढालने की कोशिश करेंगी। उन्हें खाना बनाना, पशुओं की देखभाल करना, खेत में काम करना आदि गांव में होने वाले सभी काम करने होंगे। इस सफर में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिससे उनकी असली ताकत और जज्बा सामने आएगा। इस शो का मकसद शहर की लड़कियों की ताकत, जज्बा और माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता को दिखाना है। छोरियां चली गांव जल्द ही जीटीवी पर प्रसारित होगा।

12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बोले विक्रांत

फिल्म '12वीं फेल' की कहानी हाशिए पर खड़े उन लोगों की थी, जो मेहनत के दम पर, पढ़-लिखकर यूपीएससी जैसा एग्जाम पास करते हैं। इस संघर्ष को फिल्म में विक्रांत मैसी ने जीवंत कर दिया था। कई बच्चों को इस फिल्म ने मोटिवेट भी किया। अब इसी फिल्म के लिए विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। इस अवॉर्ड को पाकर विक्रांत कैसा महसूस कर रहे हैं? जानिए।

20 साल पुराना सपना सच हो गया

बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय और 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की ज्यूरी का शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने मेरे काम को इस सम्मान के लायक समझा। मैं विधु विनोद चोपड़ा जी का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे फिल्म में अभिनय करने का मौका दिया। आज मेरा 20 साल पुराना सपना सच हो गया है।' विक्रांत मैसी आगे कहते हैं, 'मैं दर्शकों का दिल से शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने मेरी एक्टिंग को पसंद किया, फिल्म '12वीं फेल' को इतने प्यार से आगे बढ़ाया। मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं अपना पहला नेशनल अवॉर्ड शाहरुख खान जैसे बड़े कलाकार के साथ शेयर कर रहा हूं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।